04 - प्रधानमंत्री की अपील में खुशहाली का रास्ता

05 - गलत तरीके से जीतने से बेहतर है, सही तरीके से लड़कर हार जाना

06 - पी.एम. मित्र पार्क परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए भारत...

07 - जनगणना 2027 में ग्रामीण चार्ज सोहागपुर का 92...

A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 15 मई, 2026

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 252, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पीएम मोदी की किफायत वाली अपील को हम भारतीय कैसे समझें

बिदिशा भट्टाचार्य

हाल ही में हैदराबाद में दिए गए एक भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीयों से घर से काम करने, सोना खरीदने में देरी करने और गैर-ज़रूरी विदेश यात्राओं से बचने की अपील की। कुछ लोगों ने इन सुझावों को सिर्फ प्रतीकात्मक माना, जबकि कुछ ने इन्हें अव्यावहारिक बताया, लेकिन अगर इसके पीछे के आंकड़ों को ध्यान से देखें, तो यह भारत की मौजूदा आर्थिक स्थिति की गंभीरता को लेकर एक रणनीतिक संदेश दिखाई देता है।

इस अपील की वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में पैदा हुआ संकट है। यह ईरान और ओमान के बीच का एक अहम समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की सप्लाई गुज़रती है।

इस बाधा की वजह से इस हफ्ते ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 107 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई, जबकि पिछले महीने यह 126 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर चली गई थी। ब्रेंट क्रूड दुनिया में तेल की कीमत तय करने का प्रमुख मानक है। कई देशों के लिए ब्रेंट की कीमत बढ़ना सिर्फ एक बड़ी परेशानी हो सकती है, लेकिन भारत के लिए यह उसकी आर्थिक कमज़ोरी को उजागर करता है। भारत अपनी ज़रूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 40 से 50 प्रतिशत तेल ऐतिहासिक रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के रास्ते आता रहा है।

अनुमान है कि ब्रेंट की कीमत में हर 10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी भारत के चालू खाता घाटे को जीडीपी के लगभग 0.3 से 0.5 प्रतिशत तक बढ़ा देती है। इससे हर साल आयात पर अरबों डॉलर का अतिरिक्त खर्च बढ़ जाता है। चालू खाता घाटा यानी किसी देश की दुनिया से होने वाली कमाई और खर्च के बीच का अंतर। यह किसी भी अर्थव्यवस्था की मजबूती का अहम संकेत माना जाता है।

कुछ ही महीनों में ब्रेंट की कीमत करीब 60 डॉलर से बढ़कर 120 डॉलर से ऊपर पहुंचने की वजह से यह घाटा तेज़ी से बढ़ रहा है।

मोदी की तीनों अपीलें सीधे भारत के आयात बिल की खास चीज़ों से जुड़ी हैं। सबसे बड़ी चिंता तेल को लेकर है। भारत हर साल कच्चे तेल और पेट्रोलियम आयात पर अरबों डॉलर खर्च करता है। यह देश के कुल आयात बिल का लगभग 22 प्रतिशत है। घर से काम करने, कारपूल करने और पब्लिक ट्रांसपोर्ट इस्तेमाल करने की अपील करके मोदी महामारी को आदर्श नहीं बता रहे हैं। असल में वह लोगों से ऐसे कदम उठाने को कह रहे हैं, जिन्हें मौद्रिक नीति जल्दी हासिल नहीं कर सकती। यानी घर-घर में पेट्रोल और डीजल की मांग थोड़ी भी कम हो जाए, तो रुपये और व्यापार घाटे पर दबाव कम किया जा सकता है।

दूसरी बड़ी चिंता सोने को लेकर है। अप्रैल में भारत का सोना आयात 24 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 71.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 58 अरब डॉलर था। भारत अपनी ज़रूरत का करीब 85 प्रतिशत सोना आयात करता है। इसी वजह से यह दुनिया के सबसे ज्यादा सोना आयात करने वाले देशों में शामिल है।

आयातित सोने पर खर्च किया गया हर रुपया देश की अर्थव्यवस्था से बाहर चला जाता है। मोदी ने हमेशा के लिए सोना छोड़ने को नहीं कहा, बल्कि आर्थिक स्थिति सामान्य होने तक एक साल के लिए सोना खरीदने में रुकने की बात कही है।

जब भारतीय घूमने के लिए विदेश जाते हैं, तो वे डॉलर, यूरो और दिरहम जैसी विदेशी मुद्रा खर्च करते हैं। इससे भी चालू खाते पर दबाव बढ़ता है। मोदी की अपील सीमित समय के लिए और खास उद्देश्य के साथ है। इसे जीवनशैली की आलोचना नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था को सहारा देने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पीएम मोदी की अपील से भारतीयों को क्या समझना चाहिए? पहली बात, इसे घबराने वाली स्थिति नहीं समझना चाहिए। भारत के पास विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा सुरक्षा कवच है। इसमें डॉलर, सोना और दूसरी संपत्तियां शामिल हैं, जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को संभालने और आयात के भुगतान के लिए रखता है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों से आने वाला पैसा भी इस सुरक्षा को मजबूत करता है। साथ ही सरकार ने पहले ही होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के लिए दूसरे रास्तों से तेल खरीद बढ़ाई है। यानी संस्थागत व्यवस्था अभी मजबूत है।

दूसरी बात, प्रधानमंत्री का संदेश आने वाली आर्थिक नीतियों की शुरुआती चेतावनी माना जा सकता है। आगे चलकर सरकार आयात शुल्क में बदलाव, ईंधन की कीमतों में संशोधन और घरेलू विकल्पों को बढ़ावा देने जैसे कड़े कदम उठा सकती है। तीसरी बात, लोगों को अपनी निजी आर्थिक स्थिति का आकलन करना चाहिए। 2026 की शुरुआत में देश में सोने की कीमत 1,50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर पहुंच गई थी। ऐसे में नई खरीद के लिए यह शायद सही समय नहीं माना जा रहा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड श्चञ्ज्स्न ऐसे विकल्प हैं, जिनमें बिना फिजिकल गोल्ड आयात किए सोने जैसी सुरक्षा मिल सकती है और विदेशी मुद्रा पर असर भी कम पड़ता है।

शेयर बाज़ार में निवेश करने वालों के लिए पिछले एक साल में रुपये का डॉलर के मुकाबले करीब 84 से 95 तक गिरना भी एक संकेत है। आईटी सेवाएं या फार्मा जैसी कंपनियां, जो विदेशी मुद्रा में कमाई करती हैं, रुपये के कमजोर होने पर फायदा उठाती हैं, क्योंकि उनकी डॉलर में कमाई भारत में ज्यादा रुपये में बदल जाती है।

हालांकि, इसका एक दूसरा पक्ष भी है। भारत के लाखों परिवारों के लिए सोना कोई लग्जरी नहीं, बल्कि बचत, ज़रूरत के समय गिरवी रखने का साधन और सुरक्षा का जरिया है।

लोगों से सोना न खरीदने को कहना, एक तरह से उन्हें कमजोर होते रुपये के जोखिम के साथ रहने को कहना है, जबकि कोई साफ वैकल्पिक सुरक्षित निवेश विकल्प अभी व्यापक रूप से मौजूद नहीं है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड कुछ मदद जरूर करते हैं, लेकिन अभी उनका इस्तेमाल सीमित है। इसी तरह घर से काम करने का विकल्प भी भारत के ज्यादातर कामगारों के पास नहीं है।

इसलिए मोदी की अपील, चाहे कितनी भी अच्छी मंशा से की गई हो, अलग-अलग आय वर्ग के लोगों पर अलग असर डालती है। अर्थशास्त्री सिर्फ यह नहीं देखते कि नीति कुल मिलाकर सही है या नहीं, बल्कि यह भी देखते हैं कि इसकी कीमत आखिर किसे चुकानी पड़ेगी। आखिर में, मोदी की यह अपील कोई आदेश नहीं, बल्कि लोगों को अपनी अर्थव्यवस्था को समझने और उसी हिसाब से व्यवहार करने का निमंत्रण है। आंकड़े बताते हैं कि यह कोई गलत सलाह नहीं है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

देवास जिले के टोंक कलां इलाके में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट

3 की मौत, 25 लोग घायल, मालिक गिरफ्तार

शवों के टुकड़े 20-25 फीट दूर गिरे ; यूपी-बिहार के रहने वाले हैं मजदूर

देवास (नप्र)। मध्य प्रदेश के देवास जिले के टोंक कलां इलाके में गुरुवार सुबह करीब 11.30 बजे पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ। हादसे में धीरज, सनी और सुमित नाम के 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए हैं। मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं।

ब्लास्ट इतना तेज था कि शवों के टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक जा गिरे। विस्फोट में फैक्ट्री की दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद प्रशासन ने फैक्ट्री को सील कर दिया। वहीं, पुलिस ने फैक्ट्री मालिक अनिल मालवीय को हिरासत में ले लिया है।

7 मरीज इंदौर रेफर किए गए- देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने बताया-

12 घायल देवास जिला अस्पताल में भर्ती हैं, जिनकी हालत ठीक है। इन्हें कल शाम तक डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। करीब 6 लोग देवास के अमलतास अस्पताल में भर्ती हैं। इंदौर के एमबाय अस्पताल में 3 और चोइथराम में 4 घायलों का इलाज चल रहा है।

हादसे के बाद सोशल मीडिया पर बीजेपी सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी और फैक्ट्री मालिक अनिल मालवीय की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सोलंकी फैक्ट्री मालिक का मुंह मीठा करा रहे हैं। इस पर सांसद सोलंकी ने मीडिया से कहा- वह मेरे परिचित हैं, लेकिन मेरे कार्यकर्ता नहीं हैं।

2 केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था- मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दो केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था। इसी दौरान केमिकल की मात्रा सही नहीं मिलने से ब्लास्ट हो गया। लोगों के अनुसार, जहां विस्फोट हुआ वहां 15 से 20 मजदूर काम कर रहे थे। लंच से 15 से 20 मिनट पहले फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ। लोगों ने बताया कि कर्मचारियों का खाना आ चुका था, लेकिन हादसे के बाद लोग खाना छोड़कर जान बचाने के लिए भागे।

मुख्यमंत्री ने पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट पर किया शोक व्यक्त,घटना की जांच के दिये निर्देश, 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास जिले के टोंककला में पटाखा फैक्ट्री में हुए हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि विस्फोट में कई लोगों के हताहत होने का समाचार हृदय विदारक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जिले के प्रभारी एवं उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, गृह सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। घटना की जांच के आदेश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने एवं घायलों का निःशुल्क इलाज करने के लिये निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना में घायलों को त्वरित स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिजन को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

हरियाणा-महाराष्ट्र समेत 19 राज्यों में अब एसआईआर की घोषणा

- पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल चुनाव, 37 करोड़ वोटर्स का वेरिफिकेशन होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) के तीसरे फेज की घोषणा की है। इस फेज के तहत हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन किया जाएगा।

एसआईआर के तीसरे फेज के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। तीनों बचे हुए राज्यों में खराब मौसम और जनगणना के कारण एसआईआर के शेड्यूल की घोषणा बाद में की जाएगी।

सड़क, पुल, एक्सप्रेसवे, डिजिटल तकनीक से मध्यप्रदेश में अधोसंरचना विकास को मिल रही नई गति : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री की विकसित भारत की परिकल्पना को साकार कर रहा मध्यप्रदेश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश आज अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में तेजी से एक नई पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'विकसित भारत' की परिकल्पना को मध्यप्रदेश साकार कर रहा है। प्रदेश में अभूतपूर्व गति से सड़क, पुल, एक्सप्रेसवे और आधुनिक सार्वजनिक अधोसंरचना निर्माण हो रहा है। लोक निर्माण विभाग ने 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' को अपना मूल मंत्र बनाकर विकास को सीधे जनता की सुविधा, आर्थिक प्रगति और सामाजिक समृद्धि से जोड़ा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मजबूत अधोसंरचना किसी भी विकसित राष्ट्र की सबसे बड़ी आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देशभर में सड़क, रेलवे, एक्सप्रेसवे, लॉजिस्टिक नेटवर्क और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का व्यापक विस्तार हुआ है। प्रदेश में सड़क

संपर्क, शहरी यातायात, औद्योगिक कनेक्टिविटी और ग्रामीण अधोसंरचना के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है।

वैज्ञानिक तरीके से तैयार हो रहा सड़क नेटवर्क- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक निर्माण विभाग ने प्रदेश के सड़क नेटवर्क को अधिक वैज्ञानिक, व्यवस्थित और भविष्य उन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सड़क श्रेणियों के पुनर्गठन तथा रोड नेटवर्क रैशनलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, जिससे सड़क निर्माण और रखरखाव की प्राथमिकताएँ अधिक स्पष्ट हुई हैं। विभाग द्वारा 'लोक निर्माण सर्वेक्षण मोबाइल ऐप' विकसित किया गया है। यह ऐप GIS आधारित तकनीक पर कार्य करता है और इसके माध्यम से प्रदेश में 71 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों, लगभग 3 हजार भवनों तथा 1400 से अधिक पुलों का विस्तृत सर्वेक्षण किया जा चुका है। इस सर्वेक्षण से विभाग को अधोसंरचना की वास्तविक स्थिति का डिजिटल डेटा प्राप्त हुआ है, जिसके आधार पर योजनाएँ अधिक सटीक और व्यावहारिक तरीके से तैयार की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पारदर्शी और जवाबदेह शासन व्यवस्था के अनुरूप लोक निर्माण विभाग ने जीआईएस आधारित बजट मॉड्यूल लागू किया है।

रोड नेटवर्क मास्टर प्लान से बेहतर कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक निर्माण विभाग ने समग्र रोड नेटवर्क मास्टर प्लान तैयार किया है। मास्टर प्लान के अंतर्गत शहरों के लिए बायपास मार्ग, औद्योगिक क्षेत्रों के लिए बेहतर सड़क संपर्क, जिला मुख्यालयों के बीच तेज कनेक्टिविटी तथा यातायात दबाव कम करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही यात्रा दूरी और समय कम करने के उद्देश्य से 6 नए ग्रीनफील्ड सड़क मार्गों की पहचान की गई है। इन परियोजनाओं से प्रदेश के औद्योगिक, कृषि एवं पर्यटन क्षेत्रों को नई गति मिलने की संभावना है।

शरद की सुबह

वे नाच रहे थे
जब मैं उन तक पहुँचा
वे नाच रहे थे

रात सुनता रहता था
दूर वन से आती मांदल और ढाक
की रहस्यमयी आवाज़ें

महुआ की शराब पी जा चुकी थी
हाथों ने थाम ली थी मांदल
पैर थिरकने लगे थे
वन का सन्नाटा टूट रहा था

वे एक गोल घेरे में नाच रहे थे

पूरा वन भी उनके साथ नाच रहा था
ऊँचे पेड़ पर बैठा वन देवता भी झूम रहा था
चाँदनी इठला रही थी
हवाएँ गीत गा रही थीं

समस्त वैभव का सुख फीका था
उनके अलौकिक नृत्य के आनंद के सामने।

- चंद्रशेखर साकल्ले

सबरीमाला में महिलाओं की एंट्री मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित

- 16 दिन सुनवाई चली, कोर्ट ने केंद्र, धार्मिक संगठनों और याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं की एंट्री और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों की सुनवाई गुरुवार को पूरी कर ली है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता में 9 जजों वाली बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने 16 दिन तक केंद्र, धार्मिक संगठनों और याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनीं।

कोर्ट धार्मिक स्वतंत्रता, अनुच्छेद 25 और 26 के दायरे, संवैधानिक नैतिकता और

धार्मिक प्रथाओं में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा जैसे कई अहम संवैधानिक सवालों पर फैसला देगी। इनमें सबसे अहम मासिक धर्म के उम्र वाली 10 से 50 साल की महिलाओं की सबरीमाला मंदिर में एंट्री का विवाद है।

सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों वाली बेंच ने महिलाओं के सबरीमाला मंदिर में एंट्री पर लगे प्रतिबंध को असंवैधानिक बताते हुए हटा दिया था। बाद में 2019 में इस मुद्दे को बड़ी बेंच को भेजा गया। 16 दिनों की सुनवाई के दौरान 7 संवैधानिक सवालों पर बहस हुई।

महिलाओं की एंट्री के विरोध में केंद्र सरकार

केंद्र सरकार महिलाओं की एंट्री के विरोध में है। सबरीमाला मामले के साथ मुस्लिम महिलाओं के मस्जिद और दरगाहों में प्रवेश और पारसी महिलाओं के अगियारी में प्रवेश से जुड़े मुद्दे भी बड़ी बेंच को भेजे गए थे। मामले की सुनवाई कर रही 9 जजों की बेंच में सीजेआई जस्टिस बी.वी. नागरत्ना, एम.एम. सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी. वराले, आर. महादेवन और जॉयमाल्य बागची भी शामिल हैं। सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20 °c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 15 मई 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

नीट पेपर लीक के बीच दिल्ली में आरजेडी नेता गिरफ्तार

● 30 लाख में देता था एमबीबीएस की गारंटी

पटना/जयपुर/नईदिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इस बीच दिल्ली पुलिस ने मेडिकल एडमिशन के नाम पर चल रहे एक बड़े संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के सरगना और एक डॉक्टर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया मुख्य आरोपी संतोष कुमार जायसवाल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का राष्ट्रीय सचिव है, जिसे लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव का करीबी बताया जा रहा है।

एमबीबीएस सीट के नाम पर होती थी 30 लाख की डील– दिल्ली पुलिस के मुताबिक, संतोष कुमार जायसवाल मेडिकल की तैयारी करने वाले बच्चों और उनके घरवालों को मेडिकल कॉलेज में 20-30 लाख में एडमिशन कराने का झांसा देता था। गैंग के लोग पिछले साल के स्टडी मटेरियल और कोचिंग सेंटर के पेपर्स को मिलाकर 'फर्जी' प्रश्न पत्र तैयार करते थे और छात्रों को परीक्षा से पहले उसे उपलब्ध कराने का लालच देकर अज्ञात जगहों पर ले जाते थे।

सूरत पुलिस के इनपुट पर दिल्ली में छापेमारी– दिल्ली पुलिस को सूरत पुलिस से इनपुट मिला था कि कोई गैंग है जो नीट परीक्षा पास कराकर मेडकिल कॉलेजों में एडमिशन दिलाने का दावा कर रहा है। सूरत पुलिस से मिले इनपुट पर दिल्ली पुलिस ने अपने सूत्रों को एक्टिव किया तो जानकारी मिली कि एक गिरोह महिपालपुर इलाके में सक्रिय है। इसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने महिपालपुर एक्सटेंशन के 100 से अधिक होटलों में छापेमारी की। पुलिस ने तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपियों को ट्रैक किया और गुजरात के छात्रों को फंसाने वाले विनोद भाई भीखा भाई पटेल समेत अन्य को धर दबोचा।

तेजस्वी यादव इस पर जवाब दें-बीजेपी– बीजेपी प्रवक्ता डॉ. प्रीति शेखर ने आरजेडी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि तेजस्वी यादव एक तरफ नीट छात्रों के लिए 'घड़ियाली आंसू' बहा रहे हैं, तो दूसरी तरफ उनकी पार्टी में ऐसे गिरोह चलाने वाले लोग बैठे हैं। उन्होंने मांग की है कि तेजस्वी यादव को इस पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

छात्रों के ओरिजिनल सर्टिफिकेट और ब्लैंक चेक रखते थे गिरवी

पुलिस की जांच में सामने आया कि यह गिरोह पैसे तो ऐंठता ही था, साथ ही सिक्योरिटी के तौर पर छात्रों की ऑरिजनल मार्कशीट और छात्रों के परिजनों से से साइन किए हुए ब्लैंक चेक भी ले लेता था। गिरफ्तार मुख्य आरोपी संतोष कुमार जायसवाल बिहार के मोतिहारी (घोड़हसन) का रहने वाला है। दिल्ली में दवा का कारोबार करता है। बताया जाता है कि बीते साल पर रक्सौल से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता था। पुलिस के दावों के मुताबिक, जायसवाल ही इस पूरे नेक्सस का 'किंगपिन' है। पुलिस ने गाजियाबाद के एक अस्पताल के पास जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया।

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी अचानक दिल्ली पहुंचे, शाह-नवीन से मुलाकात की

नईदिल्ली (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अचानक दिल्ली पहुंचे। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। सीएम की ये मुलाकात दोपहर करीब 3 बजे हुई, जो लगभग 45 मिनट चली।योगी और शाह के बीच ये मुलाकात यूपी में कैबिनेट विस्तार के बाद पहली बार हुई है। 10 मई को योगी कैबिनेट में 6 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। 2 मंत्रियों का प्रमोशन हुआ। लेकिन अभी तक विभाग का बंटावारा नहीं हो पाया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सीएम ने विभागों के बंटवारे को लेकर चर्चा की है। सीएम योगी इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की है।

कांग्रेस का ऐलान, वीडी सतीशन केरलम के सीएम होंगे

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस नेता वी डी सतीशन केरलम के नए सीएम होंगे। कांग्रेस ने राज्य के चुनाव नतीजे घोषित होने के 10 दिन बाद गुरुवार को इसका ऐलान किया। 61 साल के सतीशन परावूर सीट से विधायक हैं। कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी ने तिरुवनंतपुरम में 7 मई को मीटिंग की थी। पार्टी अध्यक्ष खड़गे, राहुल गांधी से चर्चा के बाद तय किया गया कि केरलम सीएम वीडी सतीशन होंगे। नाम के ऐलान होने का बाद सतीशन ने कहा– मैं इस पद को निजी उपलब्धि नहीं बल्कि दैवीय कृपा मानता हूं। मैं वेणुगोपाल, रमेश चेन्निथला समेत सभी नेताओं को अपने विश्वास में लूंगा।

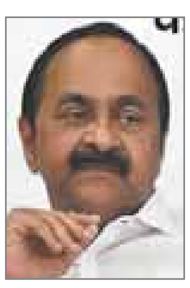

ममता काला कोट पहनकर कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचीं

चुनावी हिंसा से जुड़े मामले में पैरवी की

कोलकता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी एक बार फिर काला कोट पहनकर कोर्ट में दलीलें देने पहुंची। ममता गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल और जस्टिस पार्थसारथी सेन के सामने पेश हुईं। मामला हाल के राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई चुनावी हिंसा से जुड़ी जनहित याचिका का था।
सुनवाई के दौरान ममता ने कोर्ट को बताया कि राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। इसमें बुलडोजर एक्शन भी शामिल है। पुलिस एफआईआर दर्ज करने की परमिशन नहीं दे रही है।

सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान

● दिल्ली के सरकारी दफ्तरों में सप्ताह में 2 दिन रहेगा वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली(एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाई लेवल बैठक की। प्रधानमंत्री की अपील को लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने सरकार के सभी मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में फैसला किया। सीएम रेखा गुप्ता ने बैठक में फैसला लिया है कि दिल्ली के सभी सरकारी दफ्तरों में दो दिन वर्क फॉर्म होम रहेगा। प्राइवेट कंपनियों को भी हफ्ते में दो दिन वर्क फॉर्म होम के लिए कहा जाएगा। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह मानते हुए अपने काफिले में 60 प्रतिशत की कटौती की है। सीएम के काफिले में अब सिर्फ चार गाड़ियां हैं, जिनमें से 2 ईवी हैं।

दिल्ली-बिहार की बस में महिला से गैंगरेप

● टाइम पूछा तो चलती बस में खींचा, 2 घंटे दरिंदगी, ड्राइवर-कंडक्टर गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। दिल्ली में फिर निर्भया जैसा कांड हुआ है, जहां एक चलती स्लीपर बस में महिला से दो घंटे दरिंदगी हुई। फिर सड़क पर फेंक कर भाग गए। जिस प्राइवेट बस में वारदात हुई वो बिहार की है। जो दिल्ली से बिहार के रूट पर चलती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला ने बताया कि आरोपी वारदात के बाद उसे सुनसान इलाके में फेंककर भाग गए। किसी तरह पीड़िता ने पुलिस को फोन करके पूरी घटना की जानकारी दी।

जिसके बाद रानीबाग थाना पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और बस की पहचान की। इसके बाद बस को जब्त करके ड्राइवर और कंडक्टर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

चलती बस में महिला को खींचा– 11 मई की रात को महिला रोज़ की तरह काम करके अपने घर लौट रही थी, तभी सरस्वती विहार के बस स्टॉप पर एक स्लीपर बस आकर रुकी।

● यूपी में तूफानी आँधी ने मचाई तबाही

111 की मौत, कई घायल

80 किमी की आंधी में युवक उड़ा

लखनऊ/भोपाल/जयपुर/पटना (एजेंसी)। देश में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-अयोध्या समेत 30 जिलों में आंधी-तूफान के कारण 101 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुईं। यहां 80 किमी की रफ्तार से आंधी चली, बरेली में एक युवक टीनशेड समेत हवा में उड़ गया।

राजस्थान में गर्मी का रेड अलर्ट, मप्र में हीटवेव

जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर – राजस्थान में भी तेज गर्मी और हीटवेव का असर है। बुधवार को लगातार चौथे दिन राज्य का जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 46.1 डिग्री तापमान रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आज आज बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर में तेज गर्मी का रेड अलर्ट है। 13 जिलों में हीटवेव की चेतावनी है।

मप्र खजुराहो में तापमान 45.4 डिग्री – वहीं, मध्य प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में हीटवेव चल रही है, जो 18 मई तक जारी रह सकती है। बुधवार को खजुराहो में तापमान 45.4 डिग्री रहा। आज इंदौर, उज्जैन, धार और रतलाम में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है।

राज्य के बांदा शहर में तापमान 45.4 डिग्री रहा। आज 51 जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है।

नन्हे मियां, जिन्हें आंधी 50 फीट तक उड़ाकर ले गई, होश में आते ही बताई आपबीती

उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जिलों में तेज हवाओं, बिजली गिरने और तूफान की वजह से अभी तक 104 लोगों की मौत की खबर है। वहीं, करीब 53 लोग घायल बताए जा रहे हैं। तबाही के इस मंजर के बीच यूपी के बरेली से एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स बारातघर के टीनशेड के पोल को पकड़कर खड़ा था कि तभी हवा का एक बहुत तेज झोंका आया और शख्स को करीब 50 फीट ऊपर उछालकर खेतों में पटक दिया। घटना में शख्स के हाथ-पैर टूट गए और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बरेली का वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में शेयर किया गया। वीडियो देखकर लोगों को यकीन ही नहीं हुआ कि हवा का झोंका इतना जबरदस्त हो सकता है कि वो किसी इंसान को इतनी ऊंचाई तक उड़ा ले जाए।

कांस में गाला डिनर में आलिया पहुंचीं

● इन्फ्लुएंसर आरती खेत्रपाल हाथ में भगवद् गीता, पर्स पर लिखा हरे राम, कांस से सामने आया इन्फ्लुएंसर का खास लुक

पेरिस (एजेंसी)। आलिया भट्ट 12 मई 2026 से शुरू हुए 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में लोरियल पेरिस की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर के तौर पर शामिल हुई हैं। कांस फिल्म फेस्टिवल 2026 में आलिया भट्ट लोरियल पेरिस गाला डिनर के दौरान नजर आईं, जहां उन्होंने फ्लोरल ब्रोकेड आउटफिट पहना था।
वहीं गुरुवार को सिंगर-इन्फ्लुएंसर आरती खेत्रपाल का सनातन धर्म थीम वाला लुक सामने आया, जिसमें वो कांस के रेड कार्पेट पर हाथ में भगवद गीता और 'हरे राम' लिखे पर्स के साथ नजर आईं।इससे पहले आलिया बुधवार शाम को कांस में आइस ब्लू गाउन में रेड कार्पेट पर नजर आईं। फिल्म 'ए वूमेन्स लाइफ' के प्रीमियर के दौरान उनका 'सिंड्रेला' अवतार देखने को मिला।रेड कार्पेट पर आने से कुछ घंटे पहले, आलिया ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लोरियल पेरिस को टैग करते हुए अपने लुक की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए।

होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और जहाज डूबा

● ओमान तट के पास हादसा, 14 क्रू मेंबर्स को कोस्टगार्ड ने बचाया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और मालवाहक जहाज डूब गया। 'हाजी अली' नाम का जहाज 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी उससे कोई ड्रोन या मिसाइल जैसा हथियार टकरा गया। हादसे के बाद जहाज में आग लग गई, हालांकि ओमान कोस्टगार्ड ने सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया।गुजरात के द्वारका निवासी और जहाज मालिक सुलतान अहमद अंसार ने बताया कि एमएसवी हाजी अली जहाज बेरबेरा पोर्ट से शारजाह जा रहा था। सुबह करीब 3:30 बजे ओमान के समुद्री तट के पास जहाज हादसे का शिकार हो गया।

जिनपिंग ने ट्रम्प से कहा- पार्टनर बनें, कॉम्पटीटर नहीं

ट्रेड वॉर में कोई नहीं जीतता, ट्रम्प बोले- आपसे दोस्ती सम्मान की बात

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में जिनपिंग ने ट्रम्प का स्वागत किया। इस दौरान ट्रम्प को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया। दोनों नेताओं के बीच 2 घंटे बैठक चली। बैठक की शुरुआत में जिनपिंग ने कहा कि पूरी दुनिया इस बैठक पर नजर लगाए हुए है।

उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और अमेरिका-चीन रिश्ते वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद अहम हैं। जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि पार्टनर बनना चाहिए। उन्होंने कहा, बार-बार साबित हुआ है कि ट्रेड वॉर में कोई विजेता नहीं होता।

भाजपा बोली- राहुल 22 साल में 54 बार विदेश गए

● फंडिंग किसने की, यात्रा में 60 करोड़ खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाया। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा- राहुल गांधी ने पिछले 22 साल में 54 विदेश यात्राएं की हैं। सितंबर 2025 में सीक्रेट यात्राएं भी की हैं।

उन्होंने दावा किया कि हर विदेश दौरे में राहुल के साथ 3-4 लोग भी जाते थे। इन यात्राओं पर कुल खर्च करीब 60 करोड़ बैठता है। राहुल के हलफनामे के मुताबिक पिछले 10 साल में उनकी घोषित आय 11 करोड़ रही, तो इन यात्राओं का खर्च किसने उठाया, किसने फंडिंग की? राहुल फंडिंग का सोर्स बताएं। इधर, कांग्रेस ने भी प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 12 साल में 76 देशों के 96 दौरों की लिस्ट जारी की है। कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा- जनता की गाढ़ी कमाई, मौज-मस्ती पर उड़ाई।

अखिलेश के भाई प्रतीक को ससुर ने दी मुखाग्नि

● सपा प्रमुख ने चिता पर लकड़ी रखी, प्रणाम किया

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक गुरुवार दोपहर पंचतत्व में विलीन हो गए। लखनऊ में पत्नी अपर्णा के पिता यानी प्रतीक के ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने चिता को मुखाग्नि दी। अखिलेश ने भाई की चिता पर लकड़ी रखी और अंतिम प्रणाम किया। प्रतीक की दोनों बेटियां भी श्मशान घाट पर मौजूद रहीं। दोनों ने पिता की चिता पर लकड़ी रखी। हालांकि, अंतिम संस्कार कराने वाले पंडित ध्रुव कुमार तिवारी ने मीडिया से कहा था- अगर अखिलेश यादव या उनके बेटे से मुखाग्नि दिलाई जाए तो ज्यादा अच्छा होगा।

चारधाम यात्रा में 25 दिनों में 40 श्रद्धालुओं की मौत

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार रिकॉर्ड बना रही है। 19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा में 13 मई तक 12 लाख 64 हजार 217 श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। लेकिन दूसरी ओर यात्रा के दौरान मौतों का आंकड़ा भी लगातार बढ़ रहा है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की 14 मई सुबह 10 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार अब तक चारधाम यात्रा में 40 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा 22 मौतें केदारनाथ धाम में दर्ज की गई हैं। वहीं बद्रीनाथ में 7, यमुनोत्री में 6 और गंगोत्री में 5 श्रद्धालुओं की जान गई है। सरकार लगातार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल तैयारियों का दावा कर रही है, लेकिन लगातार बढ़ते मौत के आंकड़े यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य चुनौतियों और हाई एल्टीट्यूड से जुड़ी परेशानियों की गंभीरता भी दिखा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अधिकांश मौतें हार्ट अटैक, हाई एल्टीट्यूड सिकनेस, हाइपरटेंशन और अन्य स्वास्थ्य कारणों से हुई हैं।

प्रदेश में सर्वाइकल कैंसर की जांच एवं प्रबंधन को

सुदृढ़ बनाने एनएचएम एवं भार्गवी हेल्थ केयर के मध्य एमओयू

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए सतत प्रयासरत है। इसी क्रम में प्रदेश में गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की समय पर जांच एवं प्रभावी प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश एवं भार्गवी हेल्थ केयर (बीजीएच), हैदराबाद के मध्य एमओयू किया गया है। यह समझौता राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिये क्षमता निर्माण एवं तकनीकी सहयोग पर केंद्रित है।

एमओयू में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रीवा जिले में 25 से 65 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 10 हजार महिलाओं की एचपीवी डीएनए आधारित सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग की जाएगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा राज्य स्तर पर प्रभावी समन्वय के लिए एएनएम, स्टाफ नर्स, सीएचओ एवं आशा कार्यकर्ताओं का चयन एवं प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। भार्गवी हेल्थ केयर, हैदराबाद द्वारा सर्वाइकल कैंसर की जांच एवं उपचार के लिये विशेषज्ञ तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा। संस्था द्वारा प्रशिक्षण सामग्री एवं मानकीकृत दिशा निर्देश विकसित किए जाएंगे तथा 'ट्रेन-द-ट्रेनर' कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य में दक्ष मास्टर ट्रेनर्स की टीम तैयार की जाएगी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सतत तकनीकी सहयोग, अनुसंधान एवं ज्ञान-साझेदारी से संबंधित गतिविधियाँ भी संचालित की जाएंगी।

डीजीपी श्री मकवाणा के मुख्य आतिथ्य में विशेष सशस्त्र बल के नव आरक्षकों का दीक्षांत समारोह आयोजित

आरक्षक पुलिस संगठन की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति : डीजीपी

भोपाल (नप्र)। 25वीं वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल, भोपाल में गुरूवार को नव आरक्षकों के दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने बतौर मुख्य अतिथि परेड की सलामी ली एवं निरीक्षण किया।

समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस का गौरवशाली इतिहास रहा है तथा आरक्षक पुलिस संगठन की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति होते हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 11 माह के कठिन प्रशिक्षण, अनुशासन एवं समर्पण के बाद तैयार हुए ये नव आरक्षक पुलिस विभाग की कार्यक्षमता को और अधिक सशक्त करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अवधि जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण होती है, जहां टीम भावना, अनुशासन, शारीरिक दक्षता एवं व्यवहारिक पुलिसिंग की सीख जीवनभर साथ रहती है। प्रशिक्षण के दौरान नवआरक्षकों को आउटडोर गतिविधियों, वेपन ट्रेनिंग, बलवा ड्रिल, कानून व्यवस्था, साइबर क्राइम, आधुनिक तकनीक एवं भीड़ नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों में प्रशिक्षित किया गया है, जो भविष्य की ड्यूटी में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

पुलिस महानिदेशक श्री मकवाणा ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, कानून व्यवस्था एवं आंतरिक सुरक्षा बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिनसे निपटने के लिए पुलिस बल को तकनीकी रूप से दक्ष और शारीरिक रूप से सक्षम होना आवश्यक है। उन्होंने विशेष सशस्त्र बल एवं मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों द्वारा नक्सल विरोधी अभियानों, दस्यु उन्मूलन, चुनाव ड्यूटी तथा अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में किए गए साहसिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान तत्परता, मानवीय संवेदनशीलता एवं साहस का परिचय देते हुए पुलिस जवानों ने अनेक अवसरों पर लोगों को सीपीआर देकर जान बचाना पुलिस की जनसेवा की भावना को

उजागर किया है।

उन्होंने आगामी सिंहस्थ-2028 को मध्यप्रदेश पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक, ड्रोन सर्विलांस, सीसीटीवी मॉनिटरिंग एवं इंटीग्रेटेड कमांड सिस्टम जैसी व्यवस्थाओं में दक्षता भविष्य की पुलिसिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी।

पुलिस महानिदेशक श्री मकवाणा ने नव आरक्षकों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने, ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता एवं संविधान के प्रति निष्ठा के साथ कार्य करने तथा लगातार जनसंवाद करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि वर्दी धारण करने के बाद पुलिसकर्मी का एकमात्र धर्म जनसेवा, कानून का पालन एवं राष्ट्रहित होता है।

उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसुरक्षा और विश्वास से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है।। प्रत्येक पुलिसकर्मी को आमजन के प्रति संवेदनशीलता, त्वरित प्रतिक्रिया एवं निष्पक्षता के साथ कार्य करना चाहिए। जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है।

समारोह के दौरान 25वीं वाहिनी, विसबल भोपाल के सेनानी श्री नागेंद्र सिंह द्वारा प्रशिक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ 15 जून 2025 को किया गया था, जिसमें महिला एवं पुरुष नव आरक्षकों को फायरिंग, रायट ड्रिल, कानून व्यवस्था, शारीरिक दक्षता एवं कानून के मूलभूत ज्ञान सहित आधुनिक पुलिसिंग का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्शन में पहली बार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में साइबर क्राइम एवं सोशल मीडिया संबंधी अपराधों को शामिल किया गया, जिससे प्रशिक्षुओं को साइबर अपराधों से जुड़े 'डूज़ एंड डोन्ट्स' की जानकारी भी दी गई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में कई नव आरक्षक साइबर कमांडो के रूप में भी अपनी भूमिका निभाएंगे।

श्री नागेन्द्र सिंह ने बताया कि नवआरक्षकों ने राजकोट, गुजरात में आयोजित 74वीं अखिल भारतीय पुलिस हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 तथा जम्मू में आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस कबड्डी क्लस्टर प्रतियोगिता 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रशिक्षण संस्थान को गौरवान्वित किया। श्री सिंह ने कहा कि आरक्षक पुलिस विभाग की रीढ़ होते हैं तथा अनुशासन, शारीरिक दक्षता और जनसेवा की भावना के साथ प्रशिक्षित ये नव आरक्षक भविष्य में मध्यप्रदेश पुलिस के 'देशभक्ति, जनसेवा' के ध्येय वाक्य को और अधिक सशक्त करेंगे।

नव आरक्षकों द्वारा आकर्षक साइलेंट ड्रिल प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया, जिसमें अनुशासन, तालमेल एवं उत्कृष्ट प्रशिक्षण दक्षता की प्रभावशाली झलक दिखाई दी। इसके साथ ही प्रशिक्षुओं ने विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन कर शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन एवं फिटनेस के प्रति अपनी सजगता का परिचय दिया।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नव आरक्षक श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता 9वीं वाहिनी रीवा को प्रथम एवं श्री हर्षित कुशवाह 36वीं वाहिनी बालाघाट को द्वितीय पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही इनडोर एवं आउडडोर प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नव आरक्षकों को भी सम्मानित किया। उन्होंने सफल आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों एवं परिवारजनों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री चंचल शेखर,पुलिस महानिरीक्षक श्री इरशाद वली, पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, विशेष सशस्त्र बल के अधिकारी, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में नव आरक्षकों के परिजन उपस्थित रहे।

मप्र पुलिस ने विगत 2 सप्ताह में 2 करोड़ 26 लाख के गुम मोबाइल वास्तविक मालिकों को लौटाए

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में आमजन की संपत्ति की सुरक्षा एवं गुम/चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु लगातार कार्यवाहियां की जा रहीं हैं। आधुनिक तकनीक, CEIR पोर्टल, साइबर विश्लेषण एवं स्थानीय आसूचना के प्रभावी उपयोग से विगत दो सप्ताह में मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में 1021 मोबाईल फोन जिनकी कीमत लगभग 2 करोड़ 26 लाख रूपए से अधिक है, नागरिकों को लौटाये है। मोबाइल मालिकों ने अपने गुम हुए मोबाइल वापस मिलने पर मध्यप्रदेश पुलिस का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

प्रमुख कार्यवाही

ग्वालियर-जिले में ''तेरा तुझको अर्पण''अभियान के तहत ग्वालियर कीसाइबर सेल टीम द्वारा सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए विभिन्न राज्यों एवं शहरों से 571 गुम मोबाइल फोन जब्त किए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ 41 लाख रूपये है। साथ ही लावारिस मिले मोबाइलों को स्वयं साइबर सेल में जमा कराने वाले जागरूक नागरिकों को पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

सतना-पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन रिंगटोन 2.0' के तहत सीईआईआर पोर्टल की सहायता से 155 गुम मोबाइल फोन ट्रेस कर जब्त किए गए, जिनकी कीमत लगभग 29 लाख 31 हजार रूपये है।

गुना-पुलिस ने तकनीकी दक्षता एवं सीईआईआर पोर्टल की सहायता से 64 गुम मोबाइल फोन जब्त कर संबंधित धारकों को सुपुर्द किए हैं। जब्त मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 12 लाख 50 हजार रूपये है।

मोबाइल मालिकों ने जताया पुलिस का आभार

जबलपुर-जिले में साइबर सेल टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए 106 गुम मोबाइल फोन (लगभग 18 लाख रूपए) जब्त किए गए।

आगर मालवा- पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन रिंगटोन' के तहत 81 गुम मोबाइल फोन जब्त कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए गए। बरामद मोबाइलों की कुल कीमत 15 लाख रूपये से अधिक है। इस दौरान नागरिकों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड एवं यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया गया।

बुरहानपुर-जिले के थाना लालबाग पुलिस ने मोबाइल शॉप में चोरी की घटना का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एप्पल एवं अन्य कंपनियों के 3 मोबाइल फोन, 2 टैबलेट, 01 आईपोड एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित लगभग 3लाख 20 हजार रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

रेलवे पुलिस-जीआरपी की विभिन्न इकाइयों द्वारा भी मोबाइल चोरी के मामलों में प्रभावी कार्यवाही की गई। जीआरपी कटनी ने शातिर मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़ कर 10 मोबाइल फोन सहित लगभग 3 लाख 20 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है। जीआरपी जबलपुर ने आरोपी से 67 हजार कीमत के 4 मोबाइल जप्त किए। वहीं जीआरपी-आरपीएफ उज्जैन ने मोबाइल चोरी का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए 18 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत लगभग 1 लाख 88 हजार रूपये है, जब्त किए।

विदिशा-जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर 1 लाख 50 हजार रूपए कीमत के चोरी हुए 6 मोबाइल फोन जब्त किए। इन समस्त कार्यवाहियों में सीईआईआर पोर्टल, सिटीजन कॉप एप एवं साइबर सेल की तकनीकी जांच का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऑनलाइन शिकायत प्रणाली के माध्यम से अब आमजन घर बैठे ही अपनी शिकायत दर्ज कर पा रहे हैं, जिससे समय कीबचत के साथ-साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो रही है।

आधा एमपी हीट वेव की चपेट में

इंदौर-उज्जैन में लू का ऑरेंज अलर्ट, मंदसौर में बिजली ट्रांसफॉर्मर के लिए लगाए कूलर

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में रिकॉर्ड गर्मी का दौर शुरू हो गया है। गुरुवार को भी गर्मी के तेवर तीखे थे। इंदौर, उज्जैन, धार और रतलाम में तीव्र लू का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, अशोक नगर, विदिशा, सागर, छिंदवाड़ा और सिवनी जिले में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है। यहां आकाशीय बिजली गिरने या चमकने की भी संभावना है।

इंदौर, उज्जैन-धार में वॉर्म नाइट की चेतावनी है। इस दौरान गर्म हवाएं चलेंगी। झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, देवास, सीहोर, शाजापुर, आगर-मालवा और राजगढ़ में भी लू चलेगी। मंदसौर में तेज गर्मी और बढ़ते बिजली लोड के कारण ट्रांसफॉर्मरों पर दबाव बढ़ गया है। हालात ऐसे हैं कि बिजली सप्लाई सुचारू रखने के लिए बड़े ट्रांसफॉर्मरों को कूलर लगाकर ठंडा रखना पड़ रहा है।

अगले चार दिन तक ज्यादा तपेगा एमपी

मौसम वैज्ञानिक रुण शर्मा ने बताया कि अगले 4 दिन तक प्रदेश में तेज गर्मी पड़ेगी। इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में गर्मी का असर ज्यादा रहेगा। 17 मई तक आधे प्रदेश में अलर्ट है।

बुजुर्ग को बाइक ने मारी टक्कर, उपचार के दौरान मौत

पत्नी के इलाज के लिए भोपाल आए थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के नर्मदापुरम रोड पर सड़क पार कर रहे एक बुजुर्ग को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक सवार युवक ने ही उन्हें अस्पताल पहुंचाया था। पुलिस के मुताबिक 68 वर्षीय मूलचंद चिढ़ार गुना जिले के एक गांव के रहने वाले थे। वे अपनी पत्नी का इलाज कराने भोपाल आए थे और सागर मल्टी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। मंगलवार सुबह वे कुछ सामान खरीदने के लिए अस्पताल से बाहर निकले थे। बताया गया कि सड़क पार करते समय मंडीदीप की ओर से तेज रफ्तार कार और बाइक आ रही थी। बुजुर्ग को सामने देखकर कार चालक ने वाहन रोक लिया, लेकिन बाइक सवार नियंत्रण नहीं रख पाया और मूलचंद को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वे सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बाइक चालक मौके पर रुका और घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्ट्म के लिए भेजा गया। पोस्टमार्ट्म के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए गुना लेकर रवाना हो गए।

सुनसान इलाके के गड्ढे में मिला 7 वर्षीय बच्ची का शव

मुरैना। जिले में सात वर्षीय मासूम बच्ची की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बच्ची का शव गांव से कुछ दूरी पर स्थित एक सुनसान स्थान के गड्ढे में मिलने से इलाके में दहशत फैल गई। शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्ची के दोनों हाथ रस्सी से बंधे हुए थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्ट्म के लिए अस्पताल भिजवा दिया है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, कैलारस विकासखंड के इटोरा गांव निवासी बलराम जाटव अपनी पत्नी और सात वर्षीय बेटी तनु के साथ बुधवार रात रिश्तेदारी में आयोजित भात कार्यक्रम में शामिल होने रामलाल का पुरा गांव पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद रात में परिवार वहीं रुक गया। परिजनों के मुताबिक देर रात तक बच्ची अपने पिता के पास ही सो रही थी। बताया जा रहा है कि रात करीब तीन बजे तक बच्ची पिता के साथ थी, लेकिन सुबह लगभग पांच बजे जब बलराम की आंख खुली तो बेटी बिस्तर पर दिखाई नहीं दी।

'सम्राट चौधरी का मजाक उड़ाने वाले अंग्रेजों की जूठन'

बिहार सीएम के अंग्रेजी बोलने में अटकने पर उमा भारती ने ट्रोलर्स पर किया पलटवार

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अंग्रेजी बोलने पर उठे सवालों और ट्रोलिंग पर तीखा पलटवार किया है। उमा भारती ने ट्वीट कर लिखा, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का ठीक से अंग्रेजी नहीं बोल पाने का मजाक उड़ाने वाले अंग्रेजों की छोड़ी गई जूठन हैं एवं हीन भावना से ग्रसित हैं।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अंग्रेजी नहीं बोलते लेकिन वे दोनों आज दुनिया के चार शक्तिशाली लोगों में से हैं। धिक्कार है ऐसी अंग्रेज परस्त मानसिकता रखने वालों पर।

उमा भारती ने इस मानसिकता को अंग्रेजी की गुलामी

बताते हुए कहा कि नेताओं का मूल्यांकन उनकी भाषा के ज्ञान से नहीं, बल्कि उनके कार्यों, जनता से जुड़ाव और नेतृत्व क्षमता से होना चाहिए।

अंग्रेजी के उच्चारण में अटके- सम्राट चौधरी के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिनमें वे अंग्रेजी बोलते समय उच्चारण में अटकते या संघर्ष करते नजर आए। इन वीडियो में वे सार्वजनिक कार्यक्रमों या विधानसभा से जुड़े संदर्भों में अंग्रेजी का इस्तेमाल करते दिखे, जहां उनकी बोलने की शैली पर ट्रोलर्स ने मजाक उड़ाया। कुछ वीडियो में उन्हें इतिहास संबंधी तथ्यों को अंग्रेजी में समझाते समय भी गलतियां बताई गईं। एक वीडियो में सम्राट चौधरी एफिडेविट को हैफिडेविट कहते नजर आए। विपक्षी दलों, खासकर राजद के नेताओं ने इन वीडियो को लेकर सम्राट चौधरी पर तंज कसे

मंत्री श्री सारंग ने द्वारका नगर में बावड़ी की सफाई कर किया श्रमदान

विद्युत सेवाओं के शिविर का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नरेला विधानसभा के द्वारका नगर स्थित प्राचीन बावड़ी की सफाई के लिये श्रमदान किया एवं स्वच्छता मित्रों को किट वितरित कर उनका सम्मान एवं उत्साहवर्धन भी किया। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और जल स्त्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जलगंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रदेश में जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्जीवन के लिये व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परंपरागत जल स्त्रोतों जैसे बावड़ी, कुएँ, तालाब एवं सरोवर हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं जिन्हें संरक्षित करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मंत्री श्री सारंग ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाते हुए वर्षा जल संचयन, जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों

में सक्रिय सहभागिता निभाएँ।

विद्युत संबंधी सेवाओं के शिविर का शुभारंभ- मंत्री श्री विश्वास सारंग ने नरेला विधानसभा के चाँदबड़ में संपर्क अभियान के तहत विद्युत संबंधी सेवा शिविर का शुभारंभ किया। इस शिविर में कनेक्शन संबंधी, बिल संबंधी, तकनीकी सेवाएं सहित मीटर व केवल सर्विस संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार में जनता को सरकार के द्वार नहीं आना पड़ता बल्कि सरकार जनता के द्वार आकर समस्याओं का हल करती है। मध्यप्रदेश सरकार में बिलजी आपूर्ति में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास और कल्याण सुनिश्चित किया जा रहा है। मंत्री श्री सारंग ने जानकारी देते हुए बताया कि संपर्क अभियान के तहत प्रत्येक माह विभिन्न क्षेत्रों में 8 विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिनके माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से आमजन को सरल, सुलभ एवं पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान उन नागरिकों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए जिनकी समस्याओं का समाधान 24 घंटे के भीतर किया गया।

कार्यक्रम में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम कमिश्नर श्रीमती संस्कृति जैन, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

सीएम विजय : रास्ता कठिन है

तमिलनाडु में नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय कार्यकाल की शुरुआत बहुत शुभ नहीं मानी जा सकती। उन्होंने 13 मई को विधानसभा में विश्वास का उम्मीद से ज्यादा वोटों से जीत लिया है, लेकिन दूसरी तरफ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी अन्ना डीएमके में बगावत हो गई है। साथ ही सीएम बनते ही खुद विजय भी एक ज्योतिषी को ओएसडी बनाने को लेकर सहयोगी पार्टियों के निशाने पर थे। उनके दबाव के चलते अंतत: विजय ने उन्हें पद से हटा दिया। कहा जाता है यह ज्योतिषी महोदय पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता के कार्यकाल में बहुत सक्रिय थे, क्योंकि जयललिता ज्योतिषी से पूछे बगैर कोई काम नहीं करती थीं। बहरहाल सीएम विजय की सरकार फिलहाल छह माह के लिए तो सुरक्षित हो गई हो, लेकिन वो कितने दिन चल पाएगी, कहना मुश्किल है। उल्लेखनीय है कि हाल में सम्पन्न विस चुनावों में विजय की टीवीके को 107 सीटें मिली थीं, जो सामान्य बहुमत से 11 कम थी। अपनी सरकार बनाने के लिए विजय ने और भाजपा की सहयोगी एआईएडीएमके को सत्ता से बाहर रखने के लिए कांग्रेस सहित चार पार्टियों ने विजय को अपना समर्थन दिया था। इसके बाद राज्यपाल ने विजय को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई और तीन दिन में बहुमत सिद्ध करने को कहा। इस बीच विजय अपनी धुर विरोधी डीएमके पार्टी के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन से मिले। स्टालिन ने उन्हें सरकार न गिराने का भरोसा दिया। परिणामस्वरूप विश्वास प्रस्ताव पर मतदान के समय डीएमके सदन से गैर हाजिर रही। लेकिन दूसरी तरफ एआईएडीएमके में विजय को समर्थन देने के मुद्दे पर बगावत हो गई। जिसका नतीजा यह हुआ कि विजय को मतदान में कुल 144 वोट मिले। जिसमें करीब 23 वोट एआईएडीएमके के विधायकों के माने जा रहे हैं। जबकि पार्टी ने विश्वास प्रस्ताव के विरोध में मत देने का व्हिप जारी किया था। अब पार्टी इन बागी विधायकों पर कार्रवाई की तैयारी कर रही है। बताया जाता है कि पार्टी महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री ई पलानीसामी ने सभी 25 विधायकों को संगठन के पदों से हटा दिया है। कहा यह भी जा रहा है कि इन सभी के खिलाफ दलबदल कानून के तहत कार्रवाई कर उनकी सदस्यता भी समाप्त की जा सकती है। बागी खेमे के साथ परेशानी यह है कि उनके पास दो तिहाई बहुमत नहीं है। इसके लिए 31 का आंकड़ा चाहिए, जिससे वो विधानसभा में अलग गुट के रूप में मान्यता मांग सकें। जबकि बागी विधायकों की संख्या 25 बताई जा रही है। ऐसे में पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई कर सदस्यता खत्म करा सकती है। हालांकि यह कार्रवाई अनुशासनात्मक रूप से भले ही हो, लेकिन पार्टी के अस्तित्व पर संकट भी ला सकती है। क्योंकि अगर इन सभी की सदस्यता विस ने खत्म कर दी तो फिर से इन सीटों पर उपचुनाव होंगे। उपचुनाव में एआईएडीएमके फिर जीते जरूरी नहीं है। वैसे यह दांव भी विजय को मदद पहुंचाने वाला ही हो सकता है। संभव है कि विजय उपचुनाव में एआईएडीएमके से आए विधायकों को ही टिकट देकर अपने चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़वा दें। अगर वो 25 में से आधी सीटें जीतने में भी कामयाब हो गए तो उन्हें सरकार चलाने के लिए साधारण बहुमत हासिल हो जाएगा। और ऐसा होना बहुत कठिन नहीं है। इस चाल के पीछे पर्दे के पीछे काम कर रही भाजपा का यह दांव भी हो सकता है कि पार्टी विजय अपने दम पर बहुमत हासिल कर लें तो वो अन्य छोटे दलों और खासकर कांग्रेस का समर्थन लेने पर निर्भर नहीं रहेंगे। हो सकता है कि उस स्थिति में वो भाजपा के करीब आ जाएं। हालांकि यह अभी दूर की कौड़ी है, लेकिन असंभव नहीं है।

प्रधानमंत्री की अपील में खुशहाली का रास्ता

भविष्य में पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतें बढ़ सकती हैं, इसलिए प्रधानमंत्री ने पहले से ही संकेत दे दिया है कि पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम-से-कम करें। लोग वर्क फ्रॉम होम करें। विदेश यात्राएं कम करें। जिन शहरों में मेट्रो चल रही है, वहां के लोग अपने वाहनों से जाने के बजाय मेट्रो से सफर करें,ताकि पेट्रोल डीजल की बचत हो सके। माल ढुलाई के लिए माल गाड़ियों का इस्तेमाल अधिक हो। ट्रकों के कारण डीजल की खपत बढ़ जाएगी। आयातित खाद की बजाय जैविक खाद का इस्तेमाल करें, खाने के तेल का इस्तेमाल कम करें ताकि आदमी की सेहत भी ठीक रहे। सफर करना है तो बेहतर हो कि साझा ढंग से कार का इस्तेमाल करें, जिसे कार पूलिंग कहते हैं। ये सारे सुझाव बहुत अच्छे हैं। लेकिन बेहतर यह भी होता कि प्रधानमंत्री देश की आम जनता को समझाइए देने के साथ-साथ इस देश के नेताओं से भी यही अपील करते कि वे अनावश्यक प्रवास से बचें।अपने बंगले में होने वाले तामझाम पर लगाम लगाएँ। कितना अच्छा होता कि सारे मंत्री खुद कार पूलिंग करके इधर-से-उधर यात्रा करते।

नजरिया

गिरीश पंकज

लेखक स्तंभकार हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार दो दिन देश को सम्बोधित करते हुए जनता से अपील की है कि वह बचत पर ध्यान दे। पेट्रोल-डीजल खाद सहित अनेक वस्तुओं की खपत कम हो। उन्होंने कहा कि कोविड-काल में देश अपने अनेक खर्चों में कटौती करने पर विवश हो गया था, उसी तरह वर्तमान समय में संयम रखने की आवश्यकता है। पूरा देश समझ रहा है और स्वाभाविक है कि प्रधानमंत्री होने के नाते वह भी समझ रहे हैं कि देश किन संकटों से गुजर रहा है। युद्ध के चलते पेट्रोलियम आयात का संकट सामने है। भविष्य में पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतें बढ़ सकती हैं, इसलिए प्रधानमंत्री ने पहले से ही संकेत दे दिया है कि पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम-से-कम करें। लोग वर्क फ्रॉम होम करें। विदेश यात्राएं कम करें। जिन शहरों में मेट्रो चल रही है, वहां के लोग अपने वाहनों से जाने के बजाय मेट्रो से सफर करें,ताकि पेट्रोल डीजल की बचत हो सके। माल ढुलाई के लिए माल गाड़ियों का इस्तेमाल अधिक हो। ट्रकों के कारण डीजल की खपत बढ़ जाएगी। आयातित खाद की बजाय जैविक खाद का इस्तेमाल करें, खाने के तेल का इस्तेमाल कम करें ताकि आदमी की सेहत भी ठीक रहे। सफर करना है तो बेहतर हो कि साझा ढंग से कार का इस्तेमाल करें, जिसे कार पूलिंग कहते हैं। ये सारे सुझाव बहुत अच्छे हैं।लेकिन बेहतर यह भी होता कि प्रधानमंत्री देश की आम जनता को समझाइए देने के साथ-साथ इस देश के नेताओं से भी यही अपील करते कि वे अनावश्यक प्रवास से बचें।अपने बंगले में होने वाले तामझाम पर लगाम लगाएँ। कितना अच्छा होता कि सारे मंत्री खुद कार पूलिंग करके इधर-से-उधर यात्रा करते। लेकिन ऐसा कुछ दिख नहीं रहा, न कभी दिखेगा। दुर्भाग्य की बात यह है कि हमारे नेता केवल सामान्य जन से ही त्याग की अपील करते हैं। यह और बात है कि वे अपने जीवन में त्याग को बिल्कुल आत्मसात नहीं करते। यही कारण है कि उनकी बातों का कुछ भी असर नहीं हो पाता। लालबहादुर शास्त्री जैसे महान नेता नहीं रहे, जिनकी अपील का असर होता था, और देश उनके कहे अनुसार जीवन यापन करने लगता था। लेकिन वर्तमान समय में हमारे नेताओं की फिजूलखर्ची सबके सामने है। यही कारण है कि उनके कहे का कोई असर नहीं होने वाला। अगर इस देश के नेता फिजूलखर्ची बंद कर दें, तो देश की जनता वैसे ही खुशहाल हो जाए। लेकिन सारी कटौतियां आम लोगों के लिए हो रही हैं,और सत्ता में बैठे नेताओं को सारी छूट है। एक मंत्री के पीछे अनेक कारें दौड़ती नजर आती है। कई बार उनके कारण यातायात रोक दिया जाता है। बहुत देर तक पेट्रोल डीजल नष्ट होता रहता है। हो सकता है कि मंत्री नेताओं की कारें पानी से चलती हों! इसलिए वे परवाह नहीं करते। अगर उनकी कारें पेट्रोल और डीजल से चलती तो निःसंदेह मंत्री सिर्फ अपनी कार में यहां से वहां भ्रमण करते। लेकिन हमारा लोकतंत्र राजशाही को जीने की कोशिश करता है।इसलिए कोई भी मंत्री आपको अकेले सफर करते नहीं दिखेगा। उसके आगे-पीछे जब तक आठ दस गाड़ियां न चलें तो शायद उसकी आत्मा को भी संतोष नहीं होगा। इसलिए प्रधानमंत्री ने अगर आम जनता से संयम बरतने की अपील की है तो हम उम्मीद करते हैं कि वह तत्काल अपनी सरकारों से अभी अपील करें कि उनके मंत्री फिजूलखर्ची रोकें और गाड़ियों के झुण्ड के साथ चलने का मोह खत्म करें। इस देश में जितनी फिजूलखर्ची मंत्री और अफसर करते हैं, उतनी कोई नहीं करता। कलेक्टर,

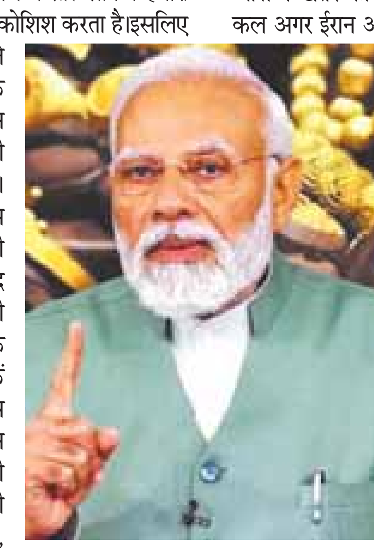

एसपी आदि के साथ भी तीन-चार गाड़ियां चलती हैं। क्यों चलनी चाहिए? कलेक्टर-एसपी की सुरक्षा के लिए क्यों इतना तामझाम होना चाहिए? यह अपने आप में बड़ा अपव्यय है, जन धन का दुरुपयोग भी। अगर हमारे नेताओं और अफसर की फिजूलखर्ची ही रोक दी जाए तो मुझे लगता है, पेट्रोल-डीजल का संकट बहुत हद तक खत्म हो सकेगा।

प्रधानमंत्री की एक अपील और बड़ी जोरदार है कि आम लोग सोने की गैर जरूरी खरीदी न करें। अरे,सोना जब इतना महंगा हो गया है तो निम्न आयवर्गीय जनमानस उसे वैसे भी खरीदी कहां पा रहा? खरीदी का काम तो भ्रष्ट अफसर और नंबर दो की कमाई करने वाले नेता और उनके परिजन ही कर रहे हैं। आम आदमी तो सिर्फ रोज अखबार और टेलीविजन में सोने-चांदी के बढ़ते भाव को ही देख रहा है और सोच रहा है कि कब कीमतें कम हो, तब वह सोना खरीदने की हिम्मत करे। वैसे प्रधानमंत्री की अपील बेहद सामयिक है और वह आसन्न खतरे को महसूस भी कर रहे हैं। आज नहीं तो कल अगर ईरान और इजराइल का युद्ध खत्म नहीं हुआ, तो हो सकता है पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ जाए। अभी तो सरकार में कीमतों को बढ़ाने पर रोक लगा कर रखी है। कल को हो सकता है वह भी विवश होकर हाथ पीछे खींच ले, फिर तो मजबूरी में लोगों को वही सब करना पड़ेगा जिसकी अपील प्रधानमंत्री ने की है। प्रधानमंत्री की अपील ने इस देश को आत्ममंथन के लिए भी मजबूर कर दिया है कि आखिर हम इतने दीनहीन कैसे हो गए! इसलिए यह समय सापेक्ष चिंतन है कि धीरे-धीरे हम पेट्रोल पर निर्भर का खत्म करने की ओर बढ़े और पेट्रोल के विकल्पों पर विचार करें। इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों का इस्तेमाल अधिक से अधिक हो। इसके लिए यह भी जरूरी है कि सरकार उसमें पर्याप्त सब्सिडी दे। विदेश मुद्रा बचाना भी बहुत जरूरी है इसलिए अनावश्यक विदेश भ्रमण का कार्यक्रम स्थगित कर देना अपने आप में एक अच्छा कदम हो सकता है। प्रधानमंत्री ने एक महत्वपूर्ण बात यह भी कही कि देशभक्ति दिखाने के लिए देश के लिए बलिदान करना ही जरूरी नहीं, अगर हम आत्म संयम रखते हुए अपने अनावश्यक खर्चों में कटौती करें तो वह भी अपने आप में देशभक्ति है। निःसंदेह यह महत्वपूर्ण बात है। लेकिन जैसा कि मैंने पहले भी कहा, यह देशभक्ति हमारे नेता कब दिखाएंगे? खासकर वह नेता जो सत्ता में बैठे हुए हैं,जिनको महंगी से महंगी गाड़ियां चाहिए और उनके आगे पीछे चलने वाली गाड़ियों का काफिला भी। अगर इस देश के नेताओं की फिजूलखर्ची रोक दी जाए तो बहुत हद तक पेट्रोल डीजल की खपत का समाधान हो सकता है। लेकिन वहां कोई अंकुश नहीं है। वहाँ मनमानी चलती रहती है। प्रधानमंत्री की अपील देखकर हो सकता है अब सत्ता में बैठे अनेक छुटभैये मंत्री-विधायक भी जनता से फिजूलखर्ची रोकने की अपील करने लगें,क्योंकि यह प्रवृत्ति देखने में आ रही है कि अगर प्रधानमंत्री कोई अपील करते हैं तो उनकी पार्टी के छोटे-छोटे मंत्री भी फ़ौरन अपील करने लगते हैं। गोया प्रधानमंत्री की अपील का कोई अर्थ नहीं जब तक एक अदना-सा मंत्री भी अपील न करे। इस देश की जनता समझदार है। प्रधानमंत्री ने अपील की, मतलब वह भी आत्मसात करने की कोशिश करेगा। कोविड -काल में प्रधानमंत्री ने कहा था कि थाली बजाना है,तो पूरा देश थाली बजाने लगा था। नेता जब जनता से अपील करते हैं तो जनता हंसती है और कहती है कि पहले तुम तो शुरुआत करो। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रधानमंत्री ने जो समय सापेक्ष अपील की है, उसका पालन आम जनता तो करेगी ही करेगी। लेकिन सत्ता में बैठे मंत्री विधायक भी इस अपील को अपने जीवन में लागू करके दिखाएंगे। विपक्ष को तो मौका मिलना चाहिए ताकि वह किसी बात को पकड़कर आलोचना करने लगे। प्रधानमंत्री की अपील का मजाक उड़ाकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लोगों से अपील करके प्रधानमंत्री अपनी असफलता ही बता रहे हैं। उनके साथ दूसरे विपक्षी नेता भी सुर से सुर मिलाकर प्रधानमंत्री की आलोचना कर रहे हैं। सच कहें तो प्रधानमंत्री की अपील में दम है। आम जनता को संयम बरतते हुए अपने उन खर्चों में कटौती तो करनी ही चाहिए, जिस देश पर भार पड़ता है। लेकिन आमजन के साथ अगर सत्ता में बैठे हुए मंत्री विधायक भी इस कटौती का ईमानदारी से पालन करें, तो निःसंदेह देश खुशहाल हो सकता है।

ट्रंप के अड़ियल रवैये के कारण दुनिया में ऊर्जा संकट का दौर

विश्व राजनीति

डॉ. शैलेष शुक्ला

लेखक स्तंभकार हैं।

वर्तमान समय को आने वाले वर्षों में शायद उस दिन के रूप में याद की जाएगी, जब दुनिया ने एक बार फिर महसूस किया कि कुछ शक्तिशाली देशों के राजनीतिक अहंकार और युद्धप्रिय नीतियाँ पूरी मानवता को संकट में धकेल सकती हैं। पश्चिम एशिया की धरती पर भड़कती आग अब केवल मिसाइलों, बमों और सैनिकों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि उसने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था और आम आदमी की रसोई तक को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला दिया है। तेल और गैस की कीमतों में भारी उछाल ने पूरी दुनिया में भय, अस्थिरता और आर्थिक संकट का वातावरण बना दिया है। इस पूरे संकट के केंद्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अड़ियल और टकरावपूर्ण रवैया सबसे अधिक चर्चा का विषय बना हुआ है।

पिछले कुछ महीनों से पश्चिम एशिया में लगातार सैन्य गतिविधियाँ बढ़ती जा रही थीं। ईरान और इज़राइल के बीच छद्म युद्ध पहले से ही जारी था, लेकिन जब अमेरिका खुलकर इस संघर्ष में उतर आया, तब हालात बेहद गंभीर हो गए। अमेरिका द्वारा ईरान पर लगाए गए नए आर्थिक प्रतिबंधों, समुद्री निगरानी और सैन्य दबाव ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की दहलीज पर ला खड़ा किया। डोनाल्ड ट्रंप लगातार कठोर बयान देते रहे। उन्होंने कई बार सार्वजनिक मंचों से ईरान को 'पूर्ण समर्पण' करने की चेतावनी दी। उनका यह रवैया केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने वैश्विक बाजारों में घबराहट पैदा कर दी।

ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि आज दुनिया जिस ऊर्जा संकट की ओर बढ़ रही है, उसके पीछे सबसे बड़ा कारण तेल आपूर्ति मार्गों पर मंडराता युद्ध का खतरा है। फारस की खाड़ी और होरमुज़ जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में गिने जाते हैं। दुनिया के कुल तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है, तो पूरी दुनिया में तेल की आपूर्ति प्रभावित होना तय है। यही कारण है कि जैसे-जैसे युद्ध की आशंका बढ़ी, वैसे-वैसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ने लगीं।

आज स्थिति यह है कि दुनिया के कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। परिवहन महंगा हो रहा है। विमान सेवाओं की लागत बढ़ रही है। बिजली उत्पादन पर दबाव बढ़ रहा है। उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ने लगी है। इसका सीधा असर आम नागरिकों की जेब पर पड़ रहा है। जो संकट अभी ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित दिखाई दे रहा है, वह आने वाले समय में खाद्य संकट और महंगाई की सुनामी का रूप ले सकता है।

भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह संकट विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है। यदि तेल की कीमतें लगातार बढ़ती रहीं, तो देश में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और दैनिक उपयोग की वस्तुएँ महंगी हो जाएँगी। परिवहन खर्च बढ़ने से फल, सब्जियाँ, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम भी बढ़ सकते हैं। इससे आम मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति पर भारी असर पड़ेगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि दुनिया एक बार फिर उन्नीस सौ तिहत्तर जैसे वैश्विक तेल संकट की ओर बढ़ सकती है। उस समय भी पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल की कीमतों में भारी उछाल आया था और पूरी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ गई थी। आज हालात उससे भी अधिक खतरनाक दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि अब दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले से कहीं अधिक ऊर्जा पर निर्भर हो चुकी है।

युद्ध के कारण समुद्री व्यापार पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। तेल ले जाने वाले जहाजों की सुरक्षा लागत बढ़ गई है। बीमा कंपनियाँ भारी प्रीमियम वसूल रही हैं। कई जहाज कंपनियाँ युद्ध क्षेत्र से गुजरने में डर महसूस कर रही हैं। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही, तो अंतरराष्ट्रीय व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इसका असर केवल तेल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक सामान, खाद्यान्न, दवाइयों और रोजमर्रा की वस्तुओं की आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है।

यूरोप इस संकट से बेहद परेशान दिखाई दे रहा है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप पहले ही ऊर्जा संकट से जूझ रहा था। अब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने उसकी चिंताएँ और बढ़ा दी हैं। कई यूरोपीय देशों में गैस और बिजली की कीमतें पहले से ही ऊँचे स्तर पर हैं। उद्योगों की लागत बढ़ रही है। कई कारखाने उत्पादन घटाने पर मजबूर हो रहे हैं। यदि यह संकट लंबा खिंचता है, तो यूरोप में बेरोजगारी और आर्थिक मंदी का खतरा और बढ़ सकता है। चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देशों की स्थिति भी आसान नहीं है। ये देश ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। यदि पश्चिम एशिया में युद्ध और बढ़ता है, तो एशिया की आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अस्थिरता बढ़ सकती है। शेयर बाजारों में गिरावट आ सकती है। निवेशकों का विश्वास कमजोर पड़ सकता है।

इस पूरे संकट का एक और बड़ा पहलू यह है कि अब युद्ध केवल बंदूकों और मिसाइलों से नहीं लड़े जाते। आज ऊर्जा स्वयं एक हथियार बन चुकी है। तेल और गैस की आपूर्ति रोककर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को झकझोरा जा सकता है। यही कारण है कि ऊर्जा मार्गों पर नियंत्रण को लेकर इतनी तीखी प्रतिस्पर्धा दिखाई दे रही है।

विश्लेषकों का मानना है कि यदि होरमुज़ जलडमरूमध्य पूरी तरह बंद हो गया, तो दुनिया में तेल की कीमतें ऐतिहासिक स्तर पर पहुँच सकती हैं। इससे वैश्विक महंगाई बेकाबू हो सकती है। गरीब और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है। कई देशों में राजनीतिक अस्थिरता और सामाजिक अशांति बढ़ सकती है। दुनिया के कई बुद्धिजीवी और शांति समर्थक संगठन लगातार यह कह रहे हैं कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम नहीं हुआ, तो इसका नुकसान केवल दोनों देशों तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी। आज भी दुनिया कोरोना महामारी और विभिन्न युद्धों के आर्थिक प्रभावों से पूरी तरह उबर नहीं पाई है। ऐसे समय में नया ऊर्जा संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे अंधकार में धकेल सकता है।

इस संकट का सबसे दुखद पहलू यह है कि दुनिया की राजनीति में मानवीय संवेदनाएँ लगातार कमजोर होती दिखाई दे रही हैं। आम नागरिक महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रहा है, लेकिन शक्तिशाली देशों के नेता शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक प्रभुत्व की लड़ाई में व्यस्त हैं। युद्ध से सबसे अधिक लाभ हथियार उद्योगों और बड़ी ऊर्जा कंपनियों को होता है, जबकि आम जनता केवल पीड़ा, महंगाई और असुरक्षा झेलती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संयुक्त राष्ट्र और विश्व समुदाय सक्रिय भूमिका निभाएँ। भारत, चीन, यूरोपीय संघ और अन्य प्रमुख देशों को मिलकर मध्यस्थता करनी चाहिए। यदि समय रहते शांति स्थापित नहीं हुई, तो आने वाले महीनों में दुनिया एक ऐसे आर्थिक तूफान का सामना कर सकती है, जिसकी मार दशकों तक महसूस की जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप का अड़ियल रवैया आज पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुका है। उनकी आक्रामक विदेश नीति ने पश्चिम एशिया को बारूद के ढेर पर ला खड़ा किया है। यदि यह आग और भड़की, तो केवल एक क्षेत्र नहीं, बल्कि पूरी मानवता इसकी चपेट में आ जाएगी। आज दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि समझदारी, संवाद और शांति की आवश्यकता है। क्योंकि जब ऊर्जा संकट पैदा होता है, तब उसका असर केवल तेल के दामों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह हर घर की रसोई, हर परिवार की आर्थिक स्थिति और हर देश की स्थिरता को प्रभावित करता है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी स्थायी समाधान नहीं देते। वे केवल विनाश, महंगाई और अस्थिरता छोड़ जाते हैं। आज पूरी दुनिया उसी मोड़ पर खड़ी है, जहाँ एक गलत निर्णय मानवता को भारी संकट में धकेल सकता है। अब यह विश्व नेतृत्व पर निर्भर करता है कि वह अहंकार और शक्ति प्रदर्शन का रास्ता चुनता है या फिर शांति और सहयोग का।

राजनीति का जातिवादी ध्रुवीकरण चिंता का विषय है

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

विभिन्न राजनीतिक दल अलग-अलग जातीय समूह को साधने के लिए प्रयासरत रहा करते हैं। लोकतंत्र में अपने दल की रीति-नीति के प्रति जनसमूह का विश्वास प्राप्त करना, एक प्रकार से सहज स्वाभाविक हो सकता है। लेकिन राजनीतिक दलों के ऐसे प्रयास अलग-अलग समाज में जातीय ध्रुवीकरण की स्थिति निर्मित कर रहे हैं। हालांकि व्यावहारिक तौर पर ऐसा बहुत कम संभव हो पाता है कि कोई भी जाति या कोई भी समूह पूर्णरूपेण किसी एक राजनीतिक दल पर निर्भर रह सके। बावजूद इसके लोकतंत्र की स्वाभाविक अवधारणा के अनुरूप अलग-अलग जातियों को अलग अलग राजनीतिक दल के समर्थक के रूप में ही देखा जा रहा है।

यह स्थिति प्रकारांतर से अनेकता में एकता के ताने-बाने को ध्वस्त करती दिखाई देती है। लोकतंत्र के संख्याओं के खेल में अलग-अलग जातियों को अलग-अलग दल के समर्थक के रूप में देखा जाना, तथाकथित एकता की अनेकता को रेखांकित करता है। राजनीतिक दृष्टि से सामाजिक ध्रुवीकरण लोकतंत्र की सेहत के लिए अंततः हानिकारक ही सिद्ध होता है। विभिन्न राजनीतिक नेतृत्व त्वरित लाभ की दृष्टि से जातीय समूह पर निर्भरता को दलीय हित में पाते हैं। किंतु इनका ऐसा नजरिया कालांतर में सकल समाज में नकारात्मक संदेश का कारक सिद्ध होता है। ऐसे में विभिन्न समाजों का संतुलित विकास हो पाना संभव नहीं होता। कभी-कभी तो राजनीतिक संरक्षण के चलते समाज विशेष की मनमानी के उदाहरण भी देखने को मिलते हैं। चुनावी दौर में जब राजनीतिक सक्रियता चरम पर होती है, एकमुश्त मतों को पाने की दृष्टि से अलग-अलग जाति की कुत्सित परंपराओं को भी राजनीतिक दल समर्थन देने से बाज नहीं आते। ऐसे में जाति समूह का अंधविश्वास और पाखंड राजनीतिक स्वीकृति पा जाता है। स्वस्थ समाज की संरचना में यह स्थिति बाधक सिद्ध होती है। निरंतर परिवर्तित दौर में शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ अब आधुनिक विचारधाराएं कुलांचे भरने लगी है। इसके बावजूद अलग-अलग समाज की परंपरागत अवधारणाएं बिना तर्क की कसौटी पर कसे राजनीतिक दलों के वरदहस्त के चलते मान्यता प्राप्त कर रही है। परंपराओं के नाम पर कभी-कभी कानूनी प्रक्रियाएं भी ताक पर रख दी जाती है।

इन हालातों के चलते विभिन्न समाजों का परंपरावादी सोच राजनीतिक संरक्षण के चलते विस्तार पा रहा है। ऐसे में न तो समाज में स्वस्थ वातावरण बन पाता है और न ही नागरिकों द्वारा सोच-समझकर मतदान करने की प्रक्रिया को बल मिलता है। अलग-अलग जातीय समूह को दल विशेष का समर्थक या विरोधी माना जाना, अनावश्यक रूप से अलगाव को जन्म देता है। लेकिन राजनीतिक स्वार्थसिद्धि की प्रबलता का यह आलम है कि कुछ राजनीतिक दल तो जाति विशेष की ही राजनीति को राजनीतिक सक्रियता का पर्याय मानते हैं। कभी-कभी ऐसा प्रतीत होता है कि जातीय हितों का संरक्षण करने के निमित्त अलग-अलग जाति समूह ने अलग-अलग राजनीतिक दल खोल दिए हैं। इससे ऐसा आभास होता है कि इनकी राजनीति का नीति और सिद्धांतों से कोई सरोकार नहीं है। इन दलों का सिर्फ और सिर्फ एकमात्र यही उद्देश्य है कि जाति विशेष के बलबूते पर अपनी राजनीतिक सक्रियता रखते हुए परंपरागत वोट को साध कर रखा जाए। ऐसी स्थिति में कभी-कभी राजनीतिक सौदेबाजी भी की जाती रही है। आज भी छोटे बड़े चुनाव में लगभग हर एक प्रत्याशी भी जातीय समूह के थोक बंद वोट पाने की गरज से अपनी रीति-नीति को लचीला बनाते हैं। कुछ परंपरागत सीट से लड़ने वाले अपने जातीय समूह के बहुमत के आधार पर चुनाव में बहुमत पाते रहे हैं। जाहिर है कि ऐसे में इनके एजेंडे में अपने समर्थक जातीय समूह के हित के आगे अन्य हित सदैव गौण ही रहा करते हैं।

यही नहीं अपितु हर छोटे-बड़े चुनाव में जातिगत समीकरण के आधार पर टिकट वितरण किया जाता है। ऐसे में यह मान लिया जाता है कि जाति विशेष के प्रत्याशी को जाति विशेष के मतदाता समर्थन देंगे ही देंगे। निश्चित रूप से ऐसा समर्थन विवेक शून्य ही हुआ करता है। ऐसी स्थिति में क्षेत्र विशेष में शेष जातियां एक प्रकार से अल्पसंख्यक सिद्ध होती चली जाती है। निश्चित रूप से जब समाजों के समूह में जाति विशेष का राजनीतिक दबदबा होगा, तब मनमानी के दौर को थामना भी आसान नहीं होगा। सत्ता के संचालन में बहुमत को स्वीकार किया जा सकता है, लेकिन विभिन्न समाजों की परस्पर गतिविधियों को सत्ता से संचालित किया जाना उचित नहीं है।

राजनीतिक दलों के जातीय दृष्टिकोण के चलते विभिन्न समाजों के परस्पर तालमेल को बनाए रखना आसान नहीं है। निश्चित ही जब अलग-अलग समाज अलग-अलग राजनीतिक हैसियत रखेगा, 19/20 वाला अंतर तो आएगा ही आएगा। ऐसे में कोई समाज अपनी मनमानी करने के लिए भी स्वतंत्र रहेगा और कोई समाज अपने अधिकारों की लड़ाई को भी प्रभावशाली तरीके से नहीं लड़ सकेगा। यह जो एक प्रकार से विषम परिस्थितियां उत्पन्न होगी, अनावश्यक रूप से सामाजिक कटुता का कारण बनेगी। ऐसी स्थिति से बचने के लिए यह नितांत आवश्यक हो जाता है कि प्रत्येक नागरिक चाहे वह किसी भी जाति समूह से ताल्लुक रखता हो, अपने मताधिकार के महत्व को पहचाने।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

उड़ गई चिड़िया सोने की

व्यंग्य

सुरेश रायकवार

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भारत में सोना सनातन काल से परंपरा और सांस्कृतिक महत्व का रहा है। मिथिला-नरेश राजा जनक ने उनके यहाँ प्रतिवर्ष होने वाले शास्त्रार्थ आयोजन में एक हजार स्वर्ण-जड़ित सींगों वाली गायें दान देने की घोषणा की थी जबकि रावण की तो पूरी लंका ही सोने की थी। लक्ष्मी-अवतार सीता-माता ने भी सोने के हिरण को पाने के लिए भगवान राम को भिजवा दिया था और यही उनके अपहरण का कारण भी बना था। पुष्य नक्षत्र में सोना खरीदने की यहाँ प्राचीन परंपरा रही है, ऐसी मान्यता है कि इस दिन सोना खरीदने से आदमी धनवान बन जाता है, हालांकि सोना खरीदकर आम आदमी के अमीर बनने के उदाहरण तो कम ही मिलते हैं तथापि इस दिन ऊंचे दामों पर सोना बेच-बेचकर कई सराफा व्यापारियों को धनवान बनते जरूर देखा गया है। दुनियाभर के अर्थशास्त्री स्वर्ण निवेश को अनुत्पादक निवेश ही मानते है क्योंकि सोने में निवेशित पूंजी दीर्घकाल के लिए अवरुद्ध हो जाती है।

हमारे देश में लोगों का सोने के प्रति अत्यधिक अनुराग है, आकर्षण है, उन्हे सोना इतना पसंद है कि उसी के नाम पर परिवारों में बच्चों का नामकरण भी किया जाता है जैसे - सोनादेवी, स्वर्णसिंह, कनकलाल, कंचनदेवी, हेमलता, हेमराज आदि। इसी प्रकार सोने को लेकर कई कहावतें और लोकोक्तियाँ भी प्रचलित है - सोने का चम्मच लेकर पैदा होना, (अर्थात धनवान परिवार में जन्म लेना या जिसने जन्म से ही धन-दौलत भरपूर देखी हो)। सोने पे सुहागा (अर्थात् किसी अच्छे काम में और अच्छा हो जाना), सोने की कटारी - सुंदर किन्तु हानिकारक, खरा सोना होना - बहुत अच्छा या सच्चा, हर चमकती चीज सोना नहीं होती इत्यादि।

देश में स्वर्ण से संबन्धित कुछ खास परम्पराएँ भी है जैसे लड़की के विवाह में माता-पिता की ओर से अपनी कन्या को कम से कम सोने का मंगल-सूत्र तो दिया ही जाता है किन्तु दक्षिण भारत में तो दुल्हन को सर से पैर तक सोने से लाद दिया जाता है। इसी प्रकार किसी व्यक्ति द्वारा अपनी चौथी पीढ़ी देखने पर उसे स्वर्ण सीढ़ी चढ़ाई जाती है। यदि किसी से अंजाने में भी बिल्ली मर जाए तो प्रायश्चित स्वरूप सोने की बिल्ली दान करने का उपाय बताया गया है। और धार्मिक अनुष्ठानों में तो कई जगह सोने की गाय दान कारवाई जाती है।

प्राचीन काल से लेकर राजा विक्रमादित्य के शासन काल या कहें 17वीं सदी तक हमारे देश को, यहाँ की अपार धन संपदा, सोने की प्रचुरता, व्यापार में मजबूती और समृद्धि के कारण सोने की चिड़िया कहा जाता था। किन्तु इसके बाद वह चिड़िया ऐसी उडी कि आज तक लौट के नहीं आई।

कहने को सोने की सबसे अधिक खदाने भले ही दक्षिण-अफ्रीका में हों किन्तु सोने के संग्रहण/भंडारण के मान से हमारा देश आज भी सोने की चिड़िया से कम नहीं है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास कुल 24000 टन सोना है, जितना तो कई देशों का गोल्ड रिजर्व भी नहीं है। यह आभूषण के रूप में दुनिया के कुल सोने के भंडार का लगभग 11 प्रतिशत है। भारतीय महिलाओं के पास कुल सोना दुनिया के पाँच समृद्ध देशो के संयुक्त स्वर्ण भंडार से भी अधिक है। अगर तुलना की बात करें तो अमेरिका के पास सरकारी खजाने में 8000 टन सोना, जर्मनी के पास 3300 टन, इटली के पास 2450 टन, फ्रांस के पास 2400 टन, रूस के पास 2300 टन और चीन 2200 टन जबकि स्वीटजरलेंड के पास 1000 टन सोना है। आक्रांताओं द्वारा हमारे देश के मंदिरों को इसीलिए लूटा गया कि वहाँ सोने के अथाह भंडार हुआ करते थे और आज भी कम नहीं है। अमृतसर का स्वर्ण मंदिर हो या दक्षिण भारत के तमिलनाडु का श्री लक्ष्मीनारायणी मंदिर, आज भी अपने स्वर्ण वैभव का प्रमाण दे रहे हैं। दक्षिण भारत के ही पद्मनाभ स्वामी मंदिर के तहख़ानों में तो मिले खजाने की कीमत लगभग 2.00 से 3.00 लाख करोड़ आंकी गई है। हमारा देश कितना वैभवशाली रहा होगा इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि यहाँ स्वर्ण-मुद्राएं (सोने की गिन्नी) प्रचलन में हुआ करती थी। आज भी व्यक्ति हो या देश, जब इनपर कोई संकट आता है तो सोना गिरवी रखकर ही काम चलाया जाता है। अभी वर्ष 1991 में ही विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए हमारे देश को विश्व बैंक में सोना गिरवी रखना पड़ा था। स्वर्ण-ऋण को सबसे सुरक्षित ऋण माना जाता है, इसीलिए यह ऋण कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो जाता है।

उनका कहना है कि वास्तव में यह अपील देश के उन भ्रष्ट नेताओं, अधिकारियों और जमाखोर व्यापारियों से करना चाहिए जो सोने के बिस्कुट से ही अपनी भूख मिटाते हैं, आम आदमी तो बेचारा सोने के आसमान छूते भाव देखकर ही आजकल सोने की दुकान पर नहीं चढ़ पा रहा है।

हिंद के जवाहर

श्याम बोहरे

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

गलत तरीके से जीतने से बेहतर है, सही तरीके से लड़कर हार जाना

3259 दिनों की जेल के दौरान 9 में से 8 मुकदमों में तीन बातें प्रमुख होतीं। पहली, मुकदमे की शुरुआत में ही नेहरु स्पष्ट करते कि न तो वे अंग्रेज सरकार को मानते हैं और न ही उनके कानून और अदालत को। दूसरी, जिस सरकार के वजूद को ही नकारते हैं, उसकी अदालत में मुकदमें में किसी भी तरह की जिरह करने और सफाई देने से मना कर देते। तीसरी, हर मुकदमे में अपने ऊपर लगे आरोपों पर सफाई देने की जगह देश के हालात, सरकार की तानाशाही, अंग्रेज सरकार के अत्याचार और अवैध मुकदमों पर गहरी चोट करते हुए अपना प्रभावी भाषण या लिखित बयान देते।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, स्वाधीनता संग्राम के सेनानी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु के परिचय का दायरा बहुत व्यापक है, जो अनेकों दस्तावेजों और ग्रन्थों में दर्ज है, और होता ही रहेगा। यहां संक्षेप में आजादी की लड़ाई लड़ते हुए केवल उनकी जेल यात्राओं, चुनावों में भूमिका और लोकतांत्रिक मिजाज की झलक देखने की कोशिश करते हैं। लखनऊ जिला कारागार में 6 दिसंबर 1921 से 3 मार्च 1922 तक 88 दिन की पहली जेल यात्रा, इलाहाबाद, पंजाब, बरेली, देहरादून, अलीपुर, गोरखपुर, अहमदनगर किला महाराष्ट्र की जेलों में होते हुए 3259 दिनों की यात्रा का नौवां और अंतिम पड़ाव 15 जून 1945 को अल्मोड़ा जेल में समाप्त हुआ। देशद्रोह के लिए नैनी जेल में सजा काट रहे जवाहरलाल का 41 वां जन्मदिन देशभर में जवाहर दिवस के रुप में मनाया गया। देशभर में सैकड़ों आम सभाएं हुईं। इन सभाओं में वह भाषण पढ़ा गया जिसके कारण उन्हें देशद्रोह का अपराधी करार कर जेल भेजा था। इन सभाओं में पांच हजार से अधिक लोग गिरफ्तार किए गए जिनमें कमला नेहरु भी थीं।

3259 दिनों की जेल के दौरान 9 में से 8 मुकदमों में तीन बातें प्रमुख होतीं। पहली, मुकदमे की शुरुआत में ही नेहरु स्पष्ट करते कि न तो वे अंग्रेज सरकार को मानते हैं और न ही उनके कानून और अदालत को। दूसरी, जिस सरकार के वजूद को ही नकारते हैं, उसकी अदालत में मुकदमें में किसी भी तरह की जिरह करने और सफाई देने से मना कर देते। तीसरी, हर मुकदमे में अपने ऊपर लगे आरोपों पर सफाई देने की जगह देश के हालात, सरकार की तानाशाही, अंग्रेज सरकार के अत्याचार और अवैध मुकदमों पर गहरी चोट करते हुए अपना प्रभावी भाषण या लिखित बयान देते।

नेहरु जी ने चुनावों में कांग्रेस पार्टी को अभूतपूर्व सफलतायें दिलाईं। कुछ उदाहरणों के जरिये नेहरु के लोकतांत्रिक मिजाज को समझने की कोशिश करते हैं। 22 नवंबर 1951 को नेहरु ने आल इंडिया रेडियो से संबोधित करते हुए कहा, चुनाव में बहुत सी पार्टियां और प्रत्याशी मैदान में हैं और इन सबको बराबरी का मौका दिया जाना है। यह सच्चाई है कि एक पार्टी सरकार में है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उसे कुछ ज्यादा अधिकार मिल जायेंगे। चुनाव कराने वाले अफसरों को बिना भेदभाव के काम करना होगा। इस बारे में चुनाव आयोग भी कई बार चेतावनी जारी कर चुका है।

चुनाव की मर्यादा और बुनियाद बताते हुए नेहरु कहते हैं, 'हमारा प्रचार अभियान चाहे वह भाषण के माध्यम से हो या लेखन के माध्यम से, निजी नहीं होना चाहिए, इसमें नीतियों और कार्यक्रमों की बात होना चाहिए। चुनाव में कोई जीतेगा कोई हारेगा लेकिन लोकतंत्र में हमें यह भी जानना चाहिए कि किस तरह जीता जाता है और किस तरह गरिमा के साथ हारा जाता है। गलत तरीके से लड़कर जीतने से बेहतर है, सही तरीके से लड़कर चुनाव हार जाना।'

नेहरु ने मध्य प्रदेश की एक चुनावी सभा में कहा कि मैं तो अपनी पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में बोलने आया था लेकिन मुझे अभी मालूम हुआ कि पार्टी ने गलत व्यक्ति को टिकिट दे दिया है। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप मेरी पार्टी के गलत उम्मीदवार को वोट न दें। जाहिर है कि नेहरु की पार्टी का उम्मीदवार चुनाव हार गया। इसे गरिमा के साथ चुनाव हारना कह सकते हैं।

22 नवंबर 1951 को नेहरु ने ऑल इंडिया रेडियो से राष्ट्र को संबोधित करते हुए जो कहा उसके कुछ अंश देखते हैं, 'तो चलिए हम अपने आम चुनाव के महान एडवेंचर का सामना करें। साफ दिल और जज्बे से हम उनके लिए बैर न रखें जो हमारे विरोधी हैं। इस तरह हम इस महान गणतंत्र के लोकतांत्रिक ढांचे की बुनियाद रखेंगे।'

विरोधी के साथ व्यवहार का उदाहरण देखिए। उत्तर प्रदेश के फूलपुर लोकसभा चुनाव क्षेत्र से नेहरु के खिलाफ राममनोहर लोहिया चुनाव लड़ रहे थे। लोहिया जी बगैर किसी वाहन के अपना चुनाव प्रचार कर रहे थे। वे कहते थे कि जवाहरलाल नेहरु के एक दिन का खर्च पच्चीस हजार रुपया है। उस चुनाव में नेहरु जी ने एक जीप और पच्चीस हजार रुपये लोहिया जी को भिजवाये। लोहिया जी ने जीप वापस भेज दी केवल पैसे चुनाव में खर्च किए।

विपक्षी सदस्य के द्वारा की गई आलोचना का जवाब देने के नेहरु के तरीके से क्या हम कुछ सीखना चाहेंगे? चुनाव के दौरान 23 अक्टूबर 1951 को जयप्रकाश नारायण ने नेहरु की तुलना

विंस्टन चर्चिल से की थी। इसके जवाब में नेहरु ने कहा, 'सोशलिस्ट पार्टी के एक नेता कहते हैं कि कांग्रेस कंजरवेटिव पार्टी बन गई है और जवाहरलाल नेहरु विंस्टन चर्चिल, इस तरह सोचने में कोई हर्ज नहीं है। सोशलिस्ट पार्टी के नेताओं की तुलना में मुझे कंजरवेटिव कहा जा सकता है। मैं नहीं जानता लोग खुद ही फैसला कर लें।'

कहने को नेहरु के सामने कोई बड़ा संगठित विपक्ष भले न रहा हो लेकिन उनका मुकाबला आचार्य कृपलानी, नरेन्द्र देव, जयप्रकाश नारायण, डॉ. राम मनोहर लोहिया, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे तपे हुए प्रतिष्ठित नेताओं से था। 12 दिसंबर 1951 को इलाहाबाद की सभा में वे कहते हैं, 'मैं आपसे यह नहीं कह सकता कि मैं लोकसभा का चुनाव लड़ रहा हूं इसलिए मुझे वोट दीजिए। मैं तो यह भी नहीं कह सकता कि यदि आप मुझे वोट नहीं देंगे तो मैं आपको छोड़कर चला जाऊंगा। आपको वोट देना है तो दीजिए, नहीं देना है तो मत दीजिए, मुझे कोई एतराज नहीं है। मैं यहां वोटों की भीख मांगने नहीं आया हूं। बराए मेहरबानी यह बात अच्छी तरह समझ लीजिए, चाहे इलाहाबाद हो या कोई दूसरी जगह, मैं कहीं भी न तो अपना बचाव करुंगा और न वोट देने की अपील करुंगा। यह बिल्कुल अजीब बात है जब मैंने अपना पूरा जीवन जनता की सेवा में बिता दिया है और काफी अच्छा काम किया है और कुछ गलतियां भी की हैं। तो अब जब मेरी जिन्दगी के चन्द साल बाकी हैं तो मैं झूठे वायदे क्यों करुं?'

नेहरु भारी बहुमत से जीतकर देश के प्रधानमंत्री बने। वे पूरी उम्र अपने उस फैसले पर कायम रहे जिसमें उन्होंने खुद से कहा था कि नेहरु तुम्हें जूलियस सीजर नहीं बनना है। सीजर होने का मतलब है कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनकर सत्ता में आना और फिर तानाशाह की तरह काम करना। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में तानाशाह तलवार लेकर घोड़े पर चढ़कर नहीं आता। जनता अपने कांधे पर उसकी पालकी ढोती है और उसे तख्त पर बैठाती है। जब वह चुना हुआ नेता तानाशाह बनने की प्रक्रिया में होता है तो सबसे पहले संकीर्ण राष्ट्रवाद की बात करता है। जनता इस पर तालियां बजाती है। फिर धीरे धीरे वह संस्थाओं को खत्म करता है और उसकी भक्त जनता कहती है कि संस्थान राष्ट्र की प्रगति में बाधक थे और अंत में वह सर्वेसर्वा बन जाता है तो उसी जनता के हाथ बंध जाते हैं, जो अब तक उसके लिए ताली बजा रही थी।

एक दिन संसद परिसर में पुलिस वाले ने लोहिया जी की कार रोक कर नेहरु जी की कार पहले जाने दी। लोहिया जी ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि एक सांसद की कार रोककर दूसरे सांसद; भले ही वह प्रधानमंत्री ही क्यों न हों, की कार निकलने देकर गैर बराबरी का व्यवहार है जो अनुचित है। नेहरु जी ने सदन में कहा कि यह व्यवहार गलत है, पुलिस को ऐसा नहीं करना चाहिए। यह लोकतांत्रिक मिजाज का प्रधानमंत्री ही कह सकता है।

साहित्य अकादमी के निर्णायक मण्डल ने राहुल सांकृत्यायन की पुस्तक मध्य एशिया के इतिहास को पुरस्कार के लिए चुना। राहुल सांकृत्यायन कम्युनिस्ट पार्टी के कार्ड होल्डर थे, इस नाते उन्हें यह पुरस्कार दिया जाये या नहीं यह फैसला करने के लिए फाइल साहित्य अकादमी के अध्यक्ष नेहरु जी के पास भेजी गई। नेहरु जी ने लिखा कि जब निर्णायक मण्डल ने पुस्तक को पुरस्कार के लिए चुना है तो पुरस्कार मिलना चाहिए। लेखक की राजनैतिक सोच क्या है इसका असर पुरस्कार के फैसले पर नहीं होना चाहिए। इस तरह के अनेकों उदाहरण नेहरु जी के व्यवहार में दिखाई देते हैं।

महात्मा गांधी जी ने नेहरु को हिन्द के जवाहर कहा था लेकिन आज का सत्ता प्रतिष्ठान नेहरु को खलनायक बताते हुए देश की समस्याओं के लिए जिम्मेवार मानता है। नेहरु की लिखीं पुस्तकें, आजादी के आन्दोलन के दौरान और कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर रहते हुए लिखे गए पत्र और अन्य दस्तावेज, प्रधानमंत्री के नाते मुख्य मंत्रियों को लिखे पत्र, अंग्रेज सरकार द्वारा दायर मुकदमों के दौरान दिए गए उनके वक्तव्य, समय समय पर दिए गए भाषण आदि गांधी जी के कथन की पुष्टि करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

लेखक साहित्यकार हैं।

आपका हँसता-खेलता परिवार है, तो आप सबसे बड़े अमीर है

हमारी संस्कृति में परिवार का महत्व सबसे ऊपर माना गया। विदेशी विद्वान वैदिक साहित्य को पारिवारिक पुस्तकें कहकर सम्मानित करते हैं। यूँ तो हमारे जीवन में परिवार की अवधारणा बड़ी सीमित है। हमारे पूर्वज परिवार से बहुत ऊपर कुल, खानदान और कुटुम्ब की ताकत पर भरोसा रखने वाले लोग थे। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का विचार यूँ ही उछलकर नहीं आया, वह हमारी सदियों पुरानी सांस्कृतिक स्थापना है। फारसी का शब्द 'कुनबा' कुटुम्ब के समान्तर है। एक कुटुम्ब जब बिखरता है, तब कुछ सीमित परिवारों में बँट जाता है। तब भी वे परिवार कुटुम्ब की इकाई बने रहते हैं, और कुटुम्ब में आने-जाने के रास्ते खुले रखते हैं।

कुछ दशक पहले तक हम भारतीयों को परिवार दिवस मनाने का ख्याल भी नहीं आता था। परिवारों के टूटने, उनमें दरार पड़ने के बुरे सपने भी हमें कम ही आते थे। यह सब तो तो पश्चिम के देशों से आयातित है। पश्चिम से हमने अच्छा कम सीखा, बुरा ज्यादा सीखा। इससे पहले तक हम लोग भले ही अभावों में रहे, आजकी तरह बेशुमार संसाधन नहीं थे हमारे पास, लेकिन परिवार की ताकत कई गुना ज्यादा थी। परिवार की सब कडियाँ आपस में इस तरह जुड़ी रहती थीं, कि बड़ी से बड़ी कठिनाइयाँ आसानी से सुलझ जाया करती थीं। चाहे जैसी विकट परिस्थितियाँ रहती हों, घर-परिवार स्वर्ग जैसा सुंदर ही होता था।

हमारी संस्कृति में परिवार का महत्व सबसे ऊपर माना गया। विदेशी विद्वान वैदिक साहित्य को पारिवारिक पुस्तकें कहकर सम्मानित करते हैं। यूँ तो हमारे जीवन में परिवार की अवधारणा बड़ी सीमित है। हमारे पूर्वज परिवार से बहुत ऊपर कुल, खानदान और कुटुम्ब की ताकत पर भरोसा रखने वाले लोग थे। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का विचार यूँ ही उछलकर नहीं आया, वह हमारी सदियों पुरानी सांस्कृतिक स्थापना है। फारसी का शब्द 'कुनबा' कुटुम्ब के समान्तर है। एक कुटुम्ब जब बिखरता है, तब कुछ सीमित परिवारों में बँट जाता है। तब भी वे परिवार कुटुम्ब की इकाई बने रहते हैं, और कुटुम्ब में आने-जाने के रास्ते खुले रखते हैं।

आज हम कुटुम्ब में नहीं रहते, परिवार में ही रहते हैं। माता-पिता और बच्चे, बस यही परिवार है। बच्चे जब बड़े होकर उड़ान भरते हैं, अपने परिवार से टूट कर एक नया परिवार बना लेते हैं। समय के प्रवाह में कुछ भी अखंड नहीं रहता। वृद्ध माता-पिता के लिये अस्तित्व का संघर्ष अलग होता है, नये परिवार के लिये अलग। दोनों अपनी-अपनी जगह खटते हैं। प्रेम, ममत्व, सहयोग और समन्वय की ईंटों से बनी हुई नींव कितनी हिल चुकी होती है, इसका किसीको अंदाजा तक नहीं होता।

कमजोर परिवार चारों तरफ से असुरक्षित होता है। यह असुरक्षा तब और बढ़ जाती है, जब भरा-पूरा होने के बावजूद परिवार बिखरने लगता है। आजकल संयुक्त परिवार गिने-चुने बचे हैं। नई पीढ़ी के बच्चों की एक बहुत बड़ी संख्या होगी, जो कभी अपने दादा-दादी, नाना-नानी, काका-काकी, मामा-मामी, बुआ-फूफा, मौसा-मौसी से नहीं मिले। देहातों और कस्बों में तो फिर भी थोड़ा-

बहुत जुड़ाव बाकी है, लेकिन बड़े शहरों के बड़े स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अपने पारिवारिक रिश्ते जानते ही नहीं। वे कितने अकेलेपन के शिकार हैं, इसकी कल्पना भी भयभीत करती है।

अथर्ववेद में एक पूरा सूक्त पारिवारिक सामंजस्य के लिये है। वहाँ एक जगह कहा गया है-

अनुव्रतः पितुः पुत्रो माता भवतु संमनाः।

जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शन्तिवाम्।

मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षन्मा स्वसारमुत स्वसा।

सम्यञ्च सव्रता भूत्वा वाचं वदत भद्रया।।

'संतान पिता के अनुशासन में रहे, माँ की ममता सब बच्चों को समान रूप से मिले, जीवनसंगिनी मीठे बोल बोले, भाई-बहन आपसी विरोध से बचें, मिलकर प्रेम से रहें, एक-दूसरे के भले के लिये काम करें।' वास्तव में इससे ही आदर्श परिवार का चित्र बनता है। आजकल जमीन-जायदाद और हक को लेकर परिवार के सदस्य अदालत में आमने-सामने होते हैं। परिवार में वर्चस्व को लेकर होड़ मची हुई है। एक भाई ज्यादा पैसे वाला है, तो वह दूसरे को दबाने की कोशिश में लगा है। वृद्ध माता-पिता की सेवा के लिये किसी के पास समय नहीं है। आये दिन दाम्पत्य जीवन में दरार पड़ने की सूचनाओं ने समाज को झकझोर दिया है।

तो हमें भी पश्चिम की नकल करते हुए अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाने की पहल करनी होगी। परिवार के महत्व को समझना और समझाना होगा। जिस तरह अकेले में जीना बहुत कठिन है, उसी तरह अकेले दुःख झेलना भी कठिन है। सुख के दिनों का स्वागत करने के लिये, किसी अर्जित की गई सफलता का उत्सव मनाने के लिये, किसी कठिन समस्या का हल निकालने के लिये हमें परिवार का हँसता-मुस्कुराता परिवेश ही चाहिए। जो परिवार से जितना दूर है, वह अपनी निजता से भी उतना ही दूर है। वह किसी दिन पूरी तरह निराशा के अंधेरे में गुम हो जायेगा।

इसलिये अपने घर-परिवार की ओर लौटिए, स्वर्ग वहीं है। चाहे जितने अभाव हों, असुविधाएँ हों, लेकिन वहाँ माता-पिता से मिलते-जुलते चेहरे हैं, पीढ़ियों का इतिहास है, पुराने संस्मरणों का पूरा एक एल्बम है, आपका बचपन है, बचपन की मीठी यादें हैं, हँसी-ठिठोली है, और भी वह बहुत कुछ है, जो आपको बहुत प्यार से अपनी ओर खींच लेगा। परिवार से जोड़ बैठाइए। यह आज की सबसे बड़ी जरूरत है। लाखों रूपये का सोना आपको अमीर नहीं बना सकता, लेकिन आपका भरा-पूरा और हँसता-खेलता परिवार है, तो आप सबसे बड़े अमीर हैं।

परिवार दिवस

रविकांत राऊत

टूटते परिवार, बिखरता समाज

परिवार टूटते नहीं अचानक। जैसे किसी पुरानी इमारत की नींव में दरारें पड़ती हैं,पहले अदृश्य, फिर महीन,सी, फिर इतनी गहरी कि दीवारें खुद ही झुकने लगती हैं, वैसे ही रिश्ते भी टूटते हैं। एक दिन आप पाते हैं कि बेटा उसी शहर में है जहाँ आप हैं, पर महीनों से मिला नहीं। बेटी रोज़ 'okay, fine, hm 'टाइप करती है,और आप नहीं जानते कि उसकी आँखों के भीतर क्या हो रहा है।

एक समय था जब घर सिर्फ एक पता नहीं होता था। वह एक साँस होता था,साझा, उलझी हुई, एक,दूसरे में गुँथी हुई साँस। दादा की खाँसी, चूल्हे की धीमी आँच, बच्चों की वह हँसी जो आधी रात में भी किसी को नहीं डराती थी,ये सब मिलकर एक ऐसी भाषा बनाते थे जिसे कोई शब्दकोश नहीं समझा सकता। वह भाषा अब धीरे-धीरे खामोश हो रही है।

परिवार टूटते नहीं अचानक। जैसे किसी पुरानी इमारत की नींव में दरारें पड़ती हैं,पहले अदृश्य, फिर महीन,सी, फिर इतनी गहरी कि दीवारें खुद ही झुकने लगती हैं,वैसे ही रिश्ते भी टूटते हैं। एक दिन आप पाते हैं कि बेटा उसी शहर में है जहाँ आप हैं, पर महीनों से मिला नहीं। बेटी रोज़ 'okay, fine, hm 'टाइप करती है,और आप नहीं जानते कि उसकी आँखों के भीतर क्या हो रहा है।

हम इसे 'व्यस्तता' कहते हैं। यह एक सुविधाजनक झूठ है।

असल बात यह है कि हमने परिवार को एक परियोजना में बदल दिया है। बच्चे 'प्रोजेक्ट 'हैं जिन्हें 'लॉन्च 'करना है। माँ,बाप 'रिस्पॉन्सिबिलिटी 'हैं जिन्हें 'मेंनेज़ 'करना है। पति,पत्नी 'पार्टनर्शिप 'हैं जिसे 'त्रैमासिकी, समीक्षा' की ज़रूरत है। भाव, जो कभी इस सारे ढाँचे की जड़ में थे, कहीं 'स्प्रेडशीट 'की किसी 'सेल 'में दर्ज हो गए हैं,और वह सेलअब 'ब्लैंक 'है।

समाजशास्त्री इसे 'न्यूक्लियर,फैमिली का उदय' कहते हैं। जैसे यह कोई वैज्ञानिक उपलब्धि हो। परन्यूक्लियर शब्द पर ध्यान दीजिए न्यूक्लियर का अर्थ केवल 'केंद्रीय' नहीं होता, उसका अर्थ 'विभाजित' भी होता है। परमाणु तब ऊर्जा छोड़ता है जब वह टूटता है। हमारे परिवार भी टूट रहे हैं, और इस टूटन की ऊर्जा से हम इकोनॉमीचला रहे हैं, 'जीडीपी 'बढ़ा रहे हैं, 'विकास 'का जश्न मना रहे हैं।

पर इस जश्न में कोई पूछता नहीं कि उस बुज़ुर्ग का क्या हुआ जिसे 'ओल्ड-एज़-होम 'में छोड़ा गया, इस आश्वासन के साथ कि 'हम हर रविवार आएँगे। 'और वह रविवार अक्सर नहीं आता।

भारत में संयुक्त परिवार का विघटन कोई नई

घटना नहीं है। स्वतंत्रता के बाद से ही औद्योगीकरण ने गाँव से शहर की ओर पलायन शुरू किया था। पर तब भी एक धागा था,चिट्ठियाँ लिखी जाती थीं, गर्मियों में बच्चे गाँव भेजे जाते थे, शादी,ब्याह में पूरा खानदान इकट्ठा होता था। वह धागा अब 'व्हाट्स-एप-ग्रुप 'बन गया है,जहाँ कोई 'हैप्पी-दिवाली' या 'हैप्पी-मदर्स-डे 'का मेसेज़ फॉर्वर्ड करता है और सोचता है कि रिश्ता निभ गया।

व्हाट्स-एप पर भेजने से प्रेम नहीं होता। प्रेम तब होता है जब आप किसी बीमार माँ के सिरहाने रातभर बैठते हैं, जब आप किसी रोते बच्चे की पीठ थपथपाते हैं बिना यह सोचे कि कल सुबह ऑफ़िस में 'प्ज़ेंटेशन' है। प्रेम समय माँगता है,और यही वह चीज़ है जो हम सबसे कंजूसी से देते हैं। एक आँकड़ा है जो मुझे बार,बार चौंकाता है। भारत में अकेलेपन का संकट अब केवल पश्चिम की समस्या नहीं रहा। महानगरों में एकल परिवारों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। 'अवसाद 'की दर बढ़ रही है। 'एंग्ज़ाइटी 'अब मध्यवर्गीय शब्दकोश का हिस्सा बन गई है। बच्चे थेरेपीमें जा रहे हैं,ऐसी बातें कहने के लिए जो कभी किसी चाचा, मामी, या दादी को बताई जाती थीं।

थेरेपिस्ट ने परिवार की जगह नहीं ली है। उसने सिर्फ वह जगह भरने की कोशिश की है जो हमने खाली कर दी।

यह प्रश्न पूछना ज़रूरी है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। 'व्यक्तिगत-स्वतंत्रता 'की जो आकांक्षा है, वह मनुष्य की सबसे गहरी इच्छाओं में से एक है,इसे नकारा नहीं जा सकता, नकारना चाहिए भी नहीं। पर क्या स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि हम सारे बंधन काट दें? बंधन और बेड़ियाँ एक नहीं होते। परिवार बंधन है,पर वह बेड़ी नहीं, वह जड़ है। जड़ काटकर पेड़ 'आज़ाद' नहीं होता, वह बस उखड़ जाता है।

आज जब 15 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस' मनाया जाता है, तो यह दिन एक उत्सव से ज़्यादा एक चेतावनी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि परिवार कोई पुरानी परंपरा नहीं है जिसे 'मॉर्डेनाइज़्ड 'करना है,परिवार वह मिट्टी है जिसमें मनुष्य का व्यक्तित्व बनता है, टूटता है, फिर बनता है। उस मिट्टी को बचाना होगा।

न इसलिए कि संस्कृति खतरे में है। न इसलिए कि परंपरा टूट रही है।

बल्कि इसलिए कि अकेला मनुष्य बहुत थका हुआ होता है।

पी.एम. मित्र पार्क परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने पी.एम. मित्र पार्क का भ्रमण किया

धार। जिले के बदनावर-भैंसोला में विकसित हो रहे पीएम मित्र पार्क की प्रगति की समीक्षा के लिए 14 मई को सचिव, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार नीलम शमी राव द्वारा पी.एम. मित्र पार्क का भ्रमण किया गया।

कार्यकारी संचालक, एम.पी.आई.डी.सी. हिमांशु प्रजापति द्वारा श्रीमती राव एवं अन्य अधिकारियों को अवगत कराया गया कि राज्य शासन की प्रतिबद्धता अनुसार पार्क की सीमा तक सड़क, पानी एवं बिजली उपलब्ध कराए जाने संबंधी विकास कार्य लगभग पूर्ण हो चुके है जिस पर राज्य शासन द्वारा अभी तक 88 करोड़ का व्यय किया गया है। इसी के साथ ही पार्क की आंतरिक अधोसंरचना के विकास कार्यों एवं मोबाईलायजेशन पर लगभग रूपये 76 करोड़ का व्यय किया जा चुका है, जिसमें मुख्य रूप से इकाईयों को आवंटित भूखण्डों का समतलीकरण, 10 किलोमीटर से अधिक की सड़क का निर्माण कार्य, वॉटर ट्रीटमेंट एवं सप्लाय सिस्टम, इलेक्ट्रीकल वर्क एवं सब स्टेशन आदि शामिल है। प्रजापति द्वारा बताया गया कि सभी मूलभूत अधोसंरचनाओं की पूर्णता हेतु जून 2027 का लक्ष्य रखा गया है जिसकी प्राप्ति हेतु सभी कार्य समानांतर किये जा रहे है।

श्रीमती राव के द्वारा कार्यों का भौतिक निरीक्षण किया गया तथा निर्देश दिये गये कि इकाईयों की सुविधा हेतु पार्क में कच्चा माल (कपास) एवं कुशल रोजगार की आपूर्ति हेतु अभी से तैयारियाँ प्रारंभ कर दी जायें एवं निवेशक कंपनियों को अपनी लाईन विकसित करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए साथ ही जिला प्रशासन एवं अन्य विभागों से वांछित सहयोग उपलब्ध कराया जावें। श्रीमती राव द्वारा माल की परिवहन लागत को कम किये जाने हेतु पार्क तक रेल्वे लाईन कनेक्टिविटी विकसित किए जाने के निर्देश दिए गए तथा इस संबंध में भारत सरकार स्तर पर यदि कोई कार्यवाही अपेक्षित है तो संबंधित प्रस्ताव वस्त्र मंत्रालय को प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

पार्क हेतु पृथक से आई.टी.आई. स्थापित किया जाए जिसमें टेक्सटाईल वेल्यू चैन संबंधी पाठ्यक्रम इकाईयों के साथ सामंजस्य कर लागू किया जाए एवं ई.एस.आई.सी. हॉस्पिटल हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए जिससे कि इकाईयों के पूर्ण उत्पादन में आने तक यह हॉस्पिटल बनकर तैयार हो जाए। साथ ही आर एण्ड डी. सेन्टर भी विकसित किया जावें जिसमें इकाईयों को उत्पाद के नमूने तैयार करने हेतु स्थान उपलब्ध हो सके एवं फैक्ट्री की स्थापना हेतु आवंटित भूमि का पूर्ण उपयोग उत्पादन कार्यों हेतु हो सके। श्रीमती राव ने यह निर्देश दिये कि निर्माण गुणवत्ता एवं गति को गंभीरता से मॉनिटर किया जावें साथ ही समय-समय पर फोटोग्राफी, ड्रोन शूट के माध्यम से रिकॉर्ड संग्रहित किया जायें। विकास कार्यों का समय-समय पर ऑडिट किया जावें एवं उपयोग में आने वाले मटेरियल की टेस्टिंग रिपोर्ट को सुव्यवस्थित ढंग से संग्रहित कर नियमानुसार संधारित किया जाए। हिमांशु प्रजापति ने सचिव द्वारा दिए गए समस्त निर्देशों के पालन हेतु संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देशित किया गया एवं बैठक के बिन्दुओं का पालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान कलेक्टर राजीव रंजन, कार्यकारी संचालक एम.पी.आई.डी.सी. हिमांशु प्रजापति, मुख्य अभियंत्ता, एम.पी.आई.डी.सी., नेशनल इण्डस्ट्री कॉरीडोर, जिला प्रशासन एवं एम.पी.आई.डी.सी. के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ निर्माणकर्ता एजेंसी एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नपा धार विकास कार्यों की श्रृंखला में वार्ड क्र.12 लालबाग नए बगीचे के सामने डामरीकरण रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया

धार। नगरपालिका धार निकाय के विकास कार्यो की श्रृंखला में वार्ड क्रमांक 12 लालबाग नए बगीचे के सामने डामरीकरण रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष नेहा महेश बोडाने, पार्षद पुजा जितेन्द्र अग्रवाल, अनिता रमाकांत मुकुट, सुमित्रा संजय मकवाना, अजीत जैन, नामांकित पार्षद हरनाम सिंह ठाकुर टोनी, जनप्रतिनिधि चन्दु वसुनिया, विपिन राठौड उपस्थित थे ।

कार्यक्रम के अतिथि के रूप में स्वच्छता भारत मिशन 2025 - 26 धार नगरपालिका के ब्राण्ड एम्बेसेडर राजेश शर्मा, श्रीकांत द्विवेदी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी के.वी.सिंह, इंजीनियर मोना बचले, राकेश बेनल, निकाय के अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे। जानकारी कार्यालय अधीक्षक संजयसिंह ठाकुर द्वारा दी गई।

बिजली कंपनी ने जब एक मशीन को दी विदाई

45 साल पुराने ट्रांसफार्मर को दी बिजली बनाने वाली कंपनी के कर्मचारियों ने विदाई

बैतूल। आमतौर पर आपने किसी कर्मचारी की सेवा पूरी होने पर उसके रिटायरमेंट होने और विदाई समारोह का आयोजन किए जाने की बात तो सुनी होगी, लेकिन सारणी ताप विद्युतगृह में बुधवार को कुछ अनूठा हुआ। यहां पर एमपी टास्को बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने एक मशीन को सेवा अवधि पूर्ण होने के बाद रिटायर होने पर एक कर्मचारी के रूप में भावुक पलों के बीच विदाई दी। इसके साथ ही मशीन के गौरवमयी इतिहास को भी दोहराया गया। दरअसल यह मशीन एक ट्रांसफार्मर थी। मध्यप्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था के इतिहास में ट्रांसफार्मर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दो दशक का सेवाकाल निश्चित होने के बावजूद इस ट्रांसफार्मर ने चार दशकों से अधिक सेवा दी थी। इसके चलते कर्मचारियों का इस मशीन से लगाव हो गया था। इस मशीन का रिटायर का समय आने पर एक भावुक और गौरवपूर्ण रूप से एमपी ट्रांसको के कार्मिकों ने इस मशीन को विदाई दी। एमपी ट्रांसको के बैतूल जिले में स्थित सतपु?ा ताप विद्युतगृह सारणी के 220 केवी सबस्टेशन में वर्ष 1978 में 100 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया था। लगातार 45 वर्षों तक निर्बाध सेवाएं देने के बाद ट्रांफार्मर सम्मानपूर्वक रिटायर हुआ। उल्लेखनीय है कि सन् 1978 मे निर्मित इस ट्रांसफार्मर की निर्धारित कार्य अवधि लगभग 25 वर्ष थी, किंतु मध्यप्रदेश

विद्युत मंडल तथा बाद में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के इंजीनियरों एवं तकनीकी कर्मचारियों की कुशल मेंटेनेंस, सटीक तकनीकी प्रबंधन और उत्कृष्ट कार्य दक्षता के कारण इसने दोगुनी अवधि तक विश्वसनीय सेवाएं दी।

प्रदेश के कई हिस्सों में बिजली पहुंचाने में रहा था अहम योगदान- प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि सारणी ताप विद्युत गृह से उत्पादित होने वाली बिजली को प्रदेश के विभिन्न हिस्सों तक सुरक्षित एवं सतत रूप से पहुंचाने में इस ट्रांसफार्मर की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही। बीते करीब साढे चार दशकों में इस ट्रांसफार्मर ने न केवल प्रदेश की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती प्रदान की, बल्कि मध्यप्रदेश के औद्योगिक, कृषि एवं सामाजिक विकास की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में भी मौन आधार स्तंभ की तरह योगदान दिया। यह ट्रांसफार्मर प्रदेश की ऊर्जा अवसंरचना के विकास का साक्षी रहा है।

ऐसे दी भावुक विदाई- एमपी ट्रांसको के कार्मिकों ने इस ऐतिहासिक ट्रांसफार्मर को भावुक विदाई देते हुए उसकी दीर्घ, विश्वसनीय और समर्पित सेवाओं को याद किया। पुराने 100 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर अब सारणी 220 केवी सबस्टेशन में 160 एमवीए क्षमता का अत्याधुनिक पावर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र की पारेषण क्षमता और विद्युत विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

बैतूल के साथ रेलवे ट्रैक्सन फीडर को मिलेगी विश्वसनीय बिजली- एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश शांडिल्य ने बताया कि इस पावर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने के बाद 220 केवी सबस्टेशन सारणी की क्षमता बढ़कर 320 एमव्हीए की हो गई है। इससे विश्वसनीयता बढने के साथ तीन 132 केव्ही सबस्टेशनो को फायदा मिलेगा। इसके अलावा रेलवे ट्रैक्सन घोड़ाड़ोंगरी के दोनों फीडर को भी गुणवत्तापूर्ण विश्वसनीय सप्लाई उपलब्ध रहेगी।

बैतूल जिले की क्षमता में वृद्धि- ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से बैतूल जिले की कुल स्थापित क्षमता 740 एमवीए से बढक़र 800 एमवीए हो गई। श्री शांडिल्य ने बताया कि एमपी ट्रांसको बैतूल जिले में अपने 220/132 केव्ही. के तीन एवं 132/33 केव्ही. के छह सब स्टेशन के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है । इधर कंपनी के पीआरओ शशिकांत ओझा ने हरिभूमि को बताया कि बहुत कम ऐसा देखने में आता है कि निश्चित अवधि से दुगने स्तर पर कोई मशीन चली हो, लेकिन इस ट्रांसफार्मर ने दुगनी सेवा देने का नया इतिहास बनाया है। यह अपने आप मे एक बडी बात है। उन्होंने बताया कि इस ट्रांसफार्मर को रखा भी जा सकता है या इसकी अवसर आने पर नीलामी भी की जा सकती है।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों ने पीने के लिए बोतलों में पानी भरा पानी गंदा था, इसलिए पैर धोए और चल दिए

रेलवे का दावा अभी आधा अधूरा है

आमला। बीते कुछ दिनों से रेलवे स्टेशन आमला में इस भीषण गर्मी में यात्रियों को पीने के पानी के लिए जिस तरह से तरसना पड़ रहा है, वैसा अभी तक कभी नहीं देखा गया है। नागपुर इटारसी के बीच आमला जैसे महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन पर जब यात्रियों को पीने का पानी भी नहीं मिल रहा हो तो यहां सवाल खड़े होते हैं। ऐसे में जब रेलवे के अधिकारी हमारे द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित खबर के बाद ये दावा करते हैं कि रेलवे स्टेशन पर अब व्यवस्था बदल दी गई है। किंतु अधिकारियों के दावे के एक दिन के बाद भी जब रेलवे स्टेशन आमला में यात्रियों के लिए पेयजल के हालात नहीं बदलते हैं, तो पूरे रेलवे सिस्टम की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

बीते बुधवार की रात यात्रियों ने बोतल में पानी भरा और फेंक कर चल दिए- यहां हम रेल यात्रियों की आमला स्टेशन पर गंदे पानी की शिकायत और उस पर रेलवे अधिकारियों के दावों को अभी आधा अधूरा ही कह सकते हैं।क्योंकि यहां बुधवार की रात 9 बजे अंबेडकर नगर एक्सप्रेस से प्यासे यात्री जब आमला में पानी लेने के लिए स्टेशन पर उतरे, तो उन्होंने अपनी बोतलों में पानी भी भरा, किंतु पानी के गंदा और बदबूदार होने के चलते किसी ने उस पानी से अपने पैर धो लिए, तो कोई स्टेशन पर ही पानी फेंक कर बड़बड़ाते हुए चला गया। कोई कह रहा था कि पानी में कीटाणु है, तो कोई कह रहा था कि आमला रेलवे बदबूदार पानी यात्रियों को पिला रही है।

ध्यान दिया होता तो नहीं बनते ऐसे हालात- दरअसल आमला रेलवे में इन दिनों पेयजल को

लेकर जो हालात बने हैं, उसके लिए स्थानीय रेलवे अधिकारी ही कहीं ना कहीं जिम्मेदार है। जैसा कि हमारे पास जानकारी है कि स्थानीय रेलवे के जिम्मेदारों की अनदेखी और रेलवे डैम की घोर उपेक्षा के चलते आमला रेलवे में पानी का संकट बना है, जबकि आमला रेलवे के विशाल डैम की क्षमता इतनी है कि केवल रेलवे ही नहीं बल्कि पूरे आमला शहर को जलापूर्ति करने की क्षमता रेलवे डेम में है,जैसा की जानकार बताते हैं।

इनका कहना है

अगले एक-दो दिन में हम यहां व्यवस्था पूरी तरह सुधार देंगे रेलवे डैम के सूख जाने से कुछ दिक्कतें हुई है आमला रेलवे के हेल्थ इंस्पेक्टर आज ही पानी का सैंपल लेकर नागपुर गए हैं।

- **सुनील गुप्ता** स्टेशन मास्टर आमला

अपराध समीक्षा बैठक में बेहतर प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों और थानों को पुलिस कप्तान ने किया पुरस्कृत

देवास पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा आम जनता में पुलिस के प्रति सकारात्मक छबि के लिये लगातार नवाचार किये जा रहे है । प्रतिमाह पुलिस के कार्य प्रदर्शन के आधार पर श्रेष्ठ थानों और पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें पुरस्कृत भी किया जा रहा है । खास बात यह भी है कि पुलिस कप्तान गेहलोद द्वारा किसी भी स्थिति मे पुलिस का दुर्व्यवहार एवं अवैधानिक गतिविधियों को बर्दाश्त नही किये जाने के स्पष्ट निर्देश दिये गये है। अप्रैल माह में प्रदर्शन के आधार पर थानों की रैंकिंग की गई जिसमें थाना कन्नौद को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर किया गया पुरस्कृत,अनुभाग कन्नौद को अप्रैल माह मे प्रथम स्थान प्राप्त करने पर किया

गया पुरस्कृत । थाना प्रभारी कन्नौद निरीक्षक श्री तहजीब काजी को पुरस्कृत किया गया । इसी तरह प्रथम अनुभाग के रूप में अप्रैल माह में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस)कन्नौद देवास श्री आदित्य तिवारी को भी पुरस्कृत किया गया यातायात व्यवस्था में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर निरीक्षक पवन बागड़ी को मिला सर्वश्रेष्ठ पुलिसकर्मी का पुरस्कार । पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद के द्वारा बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती सौम्या जैन, समस्त एसडीओपी, समस्त थाना/चौकी के प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय की शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे ।

पुलिस अधीक्षक के द्वारा

शहनाई वादन के साथ तीन दिवसीय पद्मश्री फड़के संगीत समारोह आज से

धार। राजा भोज की कला साहित्य की नगरी आज फिर संगीत के रोमांच से अभिभूत होगी। प्रसिद्ध शिल्पकार व संगीतज्ञ रघुनाथराव कृष्णराव फड़के जी के कला अवदान को समर्पित 11वां पद्मश्री फड़के संगीत समारोह उनकी पुण्यतिथि अवसर पर होगा। पूना के विश्वख्याति प्राप्त शहनाई वादक डॉ प्रमोद गायकवाड़ अपनी बिटिया सुश्री नम्रता गायकवाड़ के साथ शहनाई वादन से संगीत समारोह को नवस्वर, नव स्पंदन प्रदान करेंगे। तबला संगत शिवम मालवीय की होगी। स्थानीय व नवोदित प्रस्तुति में मयूर गोयल का तबला वादन होगा। धार साहित्य संस्कृति के साथ ही संगीत का भी गढ़ रहा है। देश का ख्यातनाम संगीत समारोह 15 से 17 मई 2026 तक होगा। गायन, वादन व नृत्य को समर्पित यह आयोजन नवोदित व स्थापित कलाकारों का अनूठा साझा मंच है। उदघाटन विथि ठीक 07.05 पर आरंभ होगी। आयोजन प्रवेश सभी के लिए पूर्णतः निःशुल्क है। पार्किंग भी निःशुल्क होगी। आयोजन समिति संयोजक डॉ दीपेंद्र शर्मा ने बताया कि तीन दिवसीय यह संगीत समारोह विक्रम ज्ञान मन्दिर लालबाग परिसर धार में शाम ठीक 7.05 से 09.05 बजे होगा।

आयोजन समिति सदस्य वरिष्ठ संगीतज्ञ लक्ष्मीकांत जोशी, दीपक खलतकर, वृषाली देशमुख, जगदीश बोरियाला, समाजसेवी जयंत जोशी, उदय वडनेरकर, प्रदीप जोशी, हरिहरदत्त शुक्ल, प्रकाश फाटक, अतुल कालभंवर, मीनाक्षी लहरे ने सभी सुधीजनों से समारोह सहभागिता का आमंत्रण अनुरोध किया है। जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्कड़ ने दी।

श्रीमद्भागवत कथा जगन्नाथ संस्कृति, भविष्य मलिका पुराण, श्री विष्णु महायज्ञ का आयोजन 15 से 21 मई तक

सोहागपुर। श्री श्री श्री सत्य अनंत माधवाय नमः विश्व सनातन धर्म - श्री महाकालेश्वर मंडल द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा, जगन्नाथ संस्कृति,भविष्य मलिका पुराण, श्री विष्णु महायज्ञ,मानव कल्याण के लिए के लिए आयोजित किया गया है। उक्त आयोजन 15 से 21 मई को सायं 5 से रात्रि 8 बजे तक कथा स्थल भोपाल गर्ल्स स्कूल, पंचवटी कॉलोनी एयरपोर्ट रोड, लालघाटी, भोपाल में संपन्न होगा।

कथा वाचक व्यासःजगन्नाथ संस्कृति के विशारद विद्वान परम पूज्य पंडित डॉ. श्री काशीनाथ मिश्र जी के मुखारविंद से होगा। जिसमें साक्षात् महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के सानिध्य में आयोजिक कथामृत का रसपान करने के लिए आप सह-परिवार सादर आमंत्रित है। इस कार्यक्रम के आयोजककर्ता एवं निमंत्रणकर्ता विश्व सनातन धर्म - श्री महाकालेश्वर मंडल, श्रीमद्भागवत, त्रिकाल संध्या प्रचार प्रसार संगठन तथा श्रीमती नीरजा गोलानी खूबचदानी एवं पंकज खूबचदानी के द्वारा किया जा रहा है। त्रिकाल संध्या प्रचार प्रसार संगठन एवं खूबचदानी परिवार ने नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है। जगन्नाथ संस्कृति से जुड़ी मुक्ता सिंघवी जयपुर ने बताया कि इस आयोजन में श्रद्धालुओं को अधिकांश नवीन प्रवचन सुनने को मिलेंगे। जिससे अभी तक नहीं सुना गया है। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन के पूर्व भोपाल के समीपवर्ती ग्राम चोपड़ा कला में 13मई को आयोजन संपन्न हुआ है।

कमिश्नर, कलेक्टर ने किया ग्राम किवलारी में रितु एवं ग्राम बोदी में शक्ति एग्रो सर्विस वेयरहाउस का निरीक्षण

सोहागपुर। सोहागपुर के समीपवर्ती ग्राम किवलारी में रितु वेयरहाउस एवं समीपवर्ती ग्राम बोदी में शक्ति एग्रो सर्विस वेयरहाउस का कमिश्नर श्रीकांत बनोठ एवं कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने निरीक्षण किया। इस अवसर अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर प्रियंका भल्लावी , तहसीलदार आर एस झरबड़े आदि उपस्थित थे। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री श्रीकांत बनोठ एवं कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने बुधवार को अपने प्रशासनिक अमले के साथ दोनों वेयरहाउस का निरीक्षण कर उपार्जन की प्रक्रिया का अवलोकन किया। इसके साथ गेहूं खरीदी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अधिकारियों ने ग्राम किवलारी के रितु वेयरहाउस में पहुंचकर गेहूं उपार्जन का निरीक्षण किया । इसके साथ ही वहां पर उपस्थित किसानों से उपार्जन संबंधी चर्चा की। खरीदी केंद्र प्रभारी ने बताया कि हम्मालों की कमी के चलते गेहूं तुलाई की प्रक्रिया धीमी है ।फिर भी यथासंभव जो किसान उपार्जन केंद्र में आ रहे हैं ।उनकी प्राथमिकता से गेहूं की तुलाई की जा रही है। कमिश्नर श्री

बनोठ ने सर्वेयर को निर्देश दिए कि वे किसी भी स्थिति में अमानक गेहूं का उपार्जन न करें। अपितु किसानों से एफएक्यू स्तर का साफ सुथरा गेहूं ही लेवे। उन्होंने निर्देश दिए कि ओपन स्टेक की मैपिंग भी अनिवार्य रूप से की जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कमिश्नर को अवगत कराया की गेहूं उपार्जन का अब तक लगभग 80% राशि का भुगतान संबंधित किसानों को किया जा चुका है। इसी अवसर पर उन्होंने किसानों के लिए विशेष तौर पर तैयार मेडिकल किट का अवलोकन करके निर्देश दिए कि यदि कोई किसान बीमार हो रहा है। या उसे किसी प्रकार की स्वास्थ्य से संबंधित दिक्कत है तो मेडिकल किट का उपयोग प्राथमिकता से कर किसानों को राहत दी जाए। इसी दौरान कमिश्नर ने पटवारी प्राची काकोड़िया को निर्देश दिया कि वह प्रतिदिन वेयरहाउस आकर उपार्जन प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित कराए।

गोडाउन सर्वेयर को कारण बताओं नोटिस- सोहागपुर के समीपवर्ती ग्राम बोदी नर्मदापुरम कमिश्नर श्रीकांत बनोठ एवं कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा आदि ने शक्ति एग्रो सर्विस वेयरहाउस का निरीक्षण किया। यहां बताया गया कि शादी विवाह के चलते हम्मालो की कमी हो रही है। रोज 1000 क्विंटल गेहूं की तुलाई की जा रही है। कल 22 किसानों के गेहूं की तुलाई हुई थी। कमिश्नर और कलेक्टर ने वेयरहाउस में रखें गेहूं के ढेर का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान पाया गया कि गेहूं एफएक्यू स्तर का नहीं है। निरीक्षण में पाया गया कि पंखे भी नहीं लगे हैं । तथा गेहूं में अत्यधिक कंकड़ एवं मिट्टी लगी है। कलेक्टर ने इस बात पर नाराजगी व्यक्त करते हुए गोदाम सर्वेयर को कारण बताओं नोटिस देने के निर्देश दिए। साथ ही हिदायत दी की किसी भी स्थिति में अमानक स्तर का गेहूं ना खरीदा जाए। इस अवसर पर उन्होंने रिजेक्टेड दो ट्रैक्टर ट्राली को कतार से अलग लगवाने के निर्देश दिए।

सांदीपनि स्कूल निर्माण पूर्ण करके हैंडओवर करें

इसी क्रम में कमिश्नर श्रीकांत बनोठ एवं कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने सोहागपुर के निर्माणाधीन सांदीपनि स्कूल का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान आपने सभी कक्षों में फिनिशिंग एवं खिड़की दरवाजे लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कहां कि जुलाई में स्कूल का निर्माण कार्य पूर्ण करके जुलाई में ही हैंडोवर कर दिया जाए। ताकि आगामी सत्र से स्कूल में शैक्षणिक कार्य शुरू किया जा सके। कमिश्नर श्री बनोठ ने प्लेग्राउंड, स्टेडियम, म्यूजिक कक्ष, सीनियर एवं जूनियर विग का भी निरीक्षण किया। आपने अतिरिक्त श्रमिक लगाकर दो शिफ्टो में निर्माण कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। इसी अवसर पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को स्कूल की सीढीओ के पास छोटे बच्चों के लिए सीढी निर्माण करने एवं सीढ़ियो में रेलिंग लगाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि बारिश के दौरान कक्षों में एवं दीवारों में सीलन ना हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए।

खेतों से स्टार्टर केबल चोरी के आरोपियों को माखननगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

सोहागपुर। खेतों से स्टार्टर केबल,पाईप,विघुत उपकरणों के चोरी की वारदातों को गंभीरता से लेकर माखन नगर ने पुलिस अधीक्षक श्री साईं कृष्ण एस थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक राजन एवं सोहागपुर एसडीओ पुलिस संजू चौहान के मार्गदर्शन में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से त्वरित कार्रवाई की गई। जिसमें दो आरोपियों डालचंद कहार निवासी तालकेसरी एवं चंदू राजपूत ग्राम फुरतलाको गिरफ्तार करके मशरूका सहित गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से पांच किसानों की चोरी गई। सामग्री बरामद की गई। जिसमें पुलिस टीम के उनि आकाशदीप पचाया प्रभारी, उनि अशोक वरबडे, उनि लाहनू उबनारे, सउनि अशोक अठोले, आरक्षक नरेश मलिक, आरक्षक गजेन्द्र चौहान, आरक्षक सुनील उमरिया, आरक्षक रविन्द्र, महिला सलोनी खोरे की सराहनीय भूमिका रही।

जनगणना 2027 में ग्रामीण चार्ज सोहागपुर का 92 प्रतिशत कार्य पूर्ण

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 06 सुपरवाइजर सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत संचालित हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग गणना कार्य में ग्रामीण चार्ज सोहागपुर द्वारा उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करते हुए अब तक कुल 92 प्रतिशत कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह उपलब्धि सभी सुपरवाइजरों एवं प्रगणकों की मेहनत, समन्वय, कर्तव्यनिष्ठा एवं समयबद्ध कार्यप्रणाली का परिणाम है। ग्रामीण चार्ज सोहागपुर अंतर्गत सुपरवाइजर सर्किल क्रमांक 06, 15, 18, 22, 25 एवं 30 का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया गया।

उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए संबंधित सुपरवाइजर श्री प्रवीण दुबे, श्री मोनिश अवस्थी, श्री राजन रघुवंशी, श्री

निखिलेश रघुवंशी, श्री के. एस. धुर्वे एवं श्री चंद्रकांत पालीवाल को तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी सोहागपुर द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी श्री रामकिशोर झरवडे ने कहा कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने से अन्य कार्मिकों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से अपेक्षा की कि वे इसी उत्साह, समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ शेष कार्य भी शीघ्र पूर्ण करें, जिससे ग्रामीण चार्ज सोहागपुर जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके। कार्यक्रम में एसडीएम श्रीमती प्रियंका भल्लावी, फील्ड ट्रेनर श्री विजेंद्र वर्मा, श्री विपिन गिल्ला, जनगणना लिपिक/कानूनगो श्री राहुल साहू, निर्वाचन प्रोग्रामर श्री अमित मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सभी सम्मानित सुपरवाइजरों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

शॉर्ट न्यूज

अपर कलेक्टर ने लटेरी क्षेत्र में जनगणना कार्यों का किया निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने आज नगर पालिका लटेरी के शहरी वार्ड क्रमांक 6, 7 एवं 8 सहित तहसील लटेरी अंतर्गत ग्राम झुकर जोगी, नैनवास, सुनखेर, ओखली खेड़ा एवं आनंदपुर में चल रहे जनगणना कार्यों का निरीक्षण किया गया। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा भ्स्व् एप्लीकेशन के माध्यम से किए जा रहे जनगणना कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जनगणना कार्य पूर्ण गंभीरता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समय-सीमा में संपादित किया जाए, ताकि प्रत्येक परिवार एवं नागरिक की सही जानकारी दर्ज हो सके। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने क्षेत्र के नागरिकों से चर्चा कर जनगणना प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली तथा आमजन से सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर शासन की विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाती है। निरीक्षण के दौरान लटेरी एसडीएम श्री अनिल कछ्वारे एवं संबंधित अधिकारी, सुपरवाइजर एवं प्रगणक उपस्थित रहे।

अवैध उत्खनन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर कठोर कार्रवाई की जा रही है। जिलेभर में खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाकर अवैध खनिज गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा रहा है। संयुक्त कार्यवाहियों के दौरान बड़ी संख्या में अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है तथा अवैध गतिविधियों में प्रयुक्त वाहनों को भी जप्त किया जा रहा है। विभागों द्वारा लगातार जांच एवं निगरानी की जा रही है, जिससे अवैध उत्खनन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इसी क्रम में खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम रामगढ़, तहसील शिवपुर अंतर्गत अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक पोकलेन मशीन एवं दो डंपर जप्त किए गए। जप्त वाहनों को थाना शिवपुर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है।

नहरों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में नहरों पर किए गए अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई निरंतर की जा रही है। प्रशासन द्वारा सिंचाई व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने एवं जल प्रवाह में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमणों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सिंचाई विभाग की माइनर नहर पर अतिक्रमण किए जाने की प्राप्त शिकायत पर राजस्व विभाग एवं सिंचाई विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया गया। नायब तहसीलदार श्री शक्ति तोमर से प्राप्त जानकारी के अनुसार कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नर्मदापुरम नगर तहसील अंतर्गत ग्राम मालाखेड़ी में शनिवार को सिंचाई विभाग की माइनर नहर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर नहर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया तथा जेसीबी की सहायता से नहर पर व्याप्त अतिक्रमण को हटाकर नहर मार्ग को मुक्त कराया गया

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 929 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 12 मई को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 567 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 362 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 133 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

रोजगार मेले में हुआ 329 आवेदकों का प्राथमिक चयन

सीहोर (युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सीहोर के महिला आईटीआई में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया गया। रोजगार मेले में 360 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया जिनका विभिन्न कंपनियों द्वारा इंटरव्यू लिया गया। मेले में 13 कंपनियों द्वारा 329 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को 3,75,000 रूपये का ऋण का स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री हरेंद्र ठाकुर, श्री योगेंद्र पटेल, प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी श्री स्वप्निल श्रीवास्तव, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा, प्रबंधक श्री संदीप उईके, श्री मनीष अलावा, श्री विवेक यादव सहित अन्य अधिकारी एवं युवा उपस्थित थे।

अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई इछावर एवं आष्टा क्षेत्र में की गई। जिला खनिज अधिकारी श्री महेंद्र चैहान ने बताया कि संयुक्त दल ने तहसील इछावर में रेत के अवैध परिवहन में संलग्न 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर थाना इछावर की अभिरक्षा में सौंपे। वहीं तहसील आष्टा के अंतर्गत एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर चौकी अमलाहा की अभिरक्षा में दिया गया। प्रशासन द्वारा सभी जब्त वाहनों के विरुद्ध खनिज नियमों एवं प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर जुर्माना अधिरोपित करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध संयुक्त टीम की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

नर्मदापुरम संभाग आयुक्त के रूप में श्री श्रीकांत बनोठ ने पदभार ग्रहण किया

नर्मदापुरम (निप्र)। नवागत संभागायुक्त श्री श्रीकांत बनोठ ने आयुक्त कार्यालय में नर्मदापुरम संभाग आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। श्री बनोठ इससे पूर्व आयुक्त सहसंचालक नगर तथा ग्राम निवेश थे। उल्लेखनीय है कि संभागायुक्त श्री श्रीकांत बनोठ मुलत; आंध्र प्रदेश से हैं तथा 2009 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की उपाधि प्राप्त की है। इसके पूर्व श्री बनोठ हरदा एवं धार जिले के कलेक्टर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पदभार ग्रहण करने के दौरान कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु जैन भी उपस्थित रहे।

'ज्ञान भारतम' एप पर दर्ज हुई 101 प्राचीन पांडुलिपियां

डिजिटल संरक्षण से सुरक्षित होगी जिले की सांस्कृतिक और ज्ञान विरासत

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में संरक्षित 101 प्राचीन पांडुलिपियों का विवरण 'ज्ञान भारतम' एप पर अपलोड किया गया। इसके साथ ही सारू-मारू की गुफाओं में स्थित सिलालेख को भी ज्ञान भारतम एप पर अपलोड किया गया है।

इस अभियान का उद्देश्य दुर्लभ धार्मिक, ऐतिहासिक एवं ज्ञानवर्धक पांडुलिपियों को डिजिटल माध्यम से सुरक्षित कर आने वाली पीढ़ीयों तक पहुंचाना है। इस अवसर पर मंदिर में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों का अवलोकन किया गया तथा उनकी विषय-वस्तु, भाषा, संरक्षण की स्थिति एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों को एप पर अपलोड किया गया। कई पांडुलिपियां वर्षों पुरानी हैं, जिनमें भारतीय ज्ञान परंपरा, धर्म, दर्शन, संस्कृति एवं समाज से जुड़ी अमूल्य जानकारी सुरक्षित है। समय के साथ कागज एवं हस्तलिखित दस्तावेज नष्ट होने लगते हैं, ऐसे में उनका डिजिटल दस्तावेजीकरण अत्यंत आवश्यक हो जाता है। 'ज्ञान भारतम' एप जैसी पहलें न केवल धरोहर संरक्षण का माध्यम बन रही हैं, बल्कि शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान से जोड़ने का कार्य भी कर रही हैं। डिजिटल संरक्षण से दुर्लभ पांडुलिपियां विश्व स्तर पर भी अध्ययन और शोध के लिए उपलब्ध हो सकेंगी। यह पहल हमारी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले के नागरिकों से अपील है की कि वे अपने घरों, मंदिरों एवं निजी संग्रहों में सुरक्षित प्राचीन दस्तावेजों, पांडुलिपियों और ऐतिहासिक सामग्री को संरक्षित एवं डिजिटल रूप से सुरक्षित करने के लिए आगे आएं, ताकि हमारी गौरवशाली विरासत आने वाली पीढीयों तक सुरक्षित पहुंच सके।

संभागायुक्त ने किया कमिश्नर परिसर स्थित सभी शाखाओं एव कार्यालयों का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के पश्चात संभाग आयुक्त श्री श्रीकांत बनोठ ने कमिश्नर कार्यालय स्थित सभी शाखाओ का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के संभागीय कार्यालय का भी निरीक्षण किया और विभाग द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधि एवं कार्यों का जायजा लिया।

संभाग आयुक्त श्री बनोठ ने कमिश्नर कार्यालय परिसर में स्थित सामान्य शाखा एवं स्थापना शाखा का निरीक्षण किया। शाखा में पदस्थ कर्मचारियों से उनके कार्य एवं दायित्वों के संबंध में आवश्यक जानकारी ली, उन्होंने वित्त एवं नाजिर शाखा पहुंचकर बजट के संबंध में आवश्यक जानकारी ली और बजट के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मीटिंग हॉल एवं अन्य कक्षो का भी बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान संयुक्त आयुक्त विकास श्री नवल मीणा, उपायुक्त विकास श्री डीएन पटेल एवं अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

शासकीय आईटीआई की भूमि अतिक्रमण मुक्त, जिला प्रशासन ने चलाया विशेष अभियान

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में मंगलवार को जिला प्रशासन की टीम द्वारा जिले स्थित शासकीय आईटीआई परिसर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा की गई इस कार्रवाई से संस्थान परिसर में सुरक्षा एवं स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, क्षेत्रीय पटवारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे। प्रशासनिक अमले ने शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए परिसर को मुक्त कराया। अधिकारियों ने बताया कि शासकीय भूमि की सुरक्षा एवं संस्थान के सुव्यवस्थित संचालन को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई शासन के नियमानुसार की गई है। शासकीय आईटीआई की प्राचार्या सुश्री कविता रघुवंशी ने बताया कि अतिक्रमण के कारण परिसर में आए दिन अप्रिय घटनाओं की आशंका बनी रहती थी, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा प्रभावित हो रही थी। साथ ही परिसर की स्वच्छता व्यवस्था भी बाधित हो रही थी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन से सहयोग प्राप्त कर यह कार्रवाई कराई गई है। भविष्य में दोबारा अतिक्रमण की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए राजस्व विभाग द्वारा शासकीय भूमि का सीमांकन कराया गया है। साथ ही संस्था विकास निधि से परिसर के चारों ओर तार फेंसिंग का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आगे भी इसी प्रकार सतत कार्रवाई जारी रहेगी।

भीषण गर्मी में राहत का सहारा बने प्याऊ, पशु-पक्षियों के लिए भी विशेष इंतज़ाम

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में विदिशा जिले के नगरीय निकायों की सराहनीय पहल

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में भीषण गर्मी के बीच आमजन एवं पशु-पक्षियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नगरीय निकायों द्वारा व्यापक स्तर पर पेयजल व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की विशेष पहल का क्रियान्वयन जिले की सभी नगरीय निकायों ने मानवता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जनसहयोग के साथ मिलकर विभिन्न स्थानों पर प्याऊ स्थापित किए गए हैं। वर्तमान तक जिले की समस्त नगरीय निकायों द्वारा आमजन की सुविधा के लिए 82 प्याऊ स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें नगर निकायों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। आवश्यकता के अनुसार आगे भी संयुक्त प्रयासों से नए प्याऊ स्थापित किए जा रहे हैं ताकि लोगों को गर्मी के दौरान शीतल पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सके। इन प्याऊओं में कहीं मटकों एवं पानी की टंकियों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, तो कई स्थानों पर आधुनिक वॉटर कूलर भी लगाए गए हैं। बाजारों, बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थलों एवं अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में इन व्यवस्थाओं से राहगीरों एवं आमजन को बड़ी राहत मिल रही है। विशेष पहल के अंतर्गत केवल लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी गर्मी से राहत के इंतज़ाम किए गए हैं। नगरीय निकायों द्वारा मवेशियों के लिए विभिन्न स्थानों पर पानी के हौद बनाए गए हैं, ताकि उन्हें पर्याप्त पानी मिल सके। वहीं पक्षियों के लिए पेड़ों पर पानी से भरे सकोरे टांगे जा रहे हैं, जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। इसके अतिरिक्त निकायों द्वारा आवारा कुत्तों के भोजन हेतु भी स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं, जहां नियमित रूप से भोजन एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

जिले में मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी यह पहल नागरिकों के बीच सराहना का विषय बनी हुई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी श्री जाबिर खान को निर्देशित किया है कि जिले के सभी नगरीय निकायों में पेयजल संबंधी व्यवस्थाओं एवं समस्याओं की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा नियमित रूप से जिला मुख्यालय को अवगत कराया जाए, ताकि गर्मी के मौसम में किसी भी नागरिक को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े।

प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के अंतर्गत समितियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ

बैतूल (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान अंतर्गत नर्मदापुरम एवं हरदा जिले की प्रस्फुटन समितियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत भारती परिसर बैतूल में सफलतापूर्वक प्रारम्भ हुआ। प्रशिक्षण में विकासखंड केसला, नर्मदापुरम, सिवनी मालवा एवं खिरकिया के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक म.प्र. जन अभियान परिषद डॉ. बकुल लॉड, वरिष्ठ समाजसेवी श्री अनिल अग्रवाल, श्री मुकेश त्यागी, श्री नरेन्द्र यादव तथा संभाग समन्वयक श्री कौशलेश प्रताप तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा श्रीमती प्रिया चौधरी द्वारा प्रस्तुत की गई। मुख्य अतिथि डॉ. बकुल लॉड ने अपने उद्बोधन में प्रस्फुटन ग्रामों के विकास में सामुदायिक सहभागिता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए जन अभियान परिषद की विभिन्न गतिविधियों एवं ग्रामीण विकास के उद्देश्यों से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत

कराया। प्रशिक्षण के तकनीकी सत्र संभाग समन्वयक श्री कौशलेश प्रताप तिवारी, जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी एवं जिला समन्वयक नर्मदापुरम श्री पवन सहगल द्वारा संचालित किए गए। सत्रों में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के साथ-साथ सतत विकास लक्ष्यों एसडीजीएस पर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यक्रम के समापन सत्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मान. श्री मोहन नागर जी द्वारा प्रस्फुटन समिति के द्वारा आदर्श ग्राम बाचा का उदाहरण प्रस्तुत कर ग्राम विकास के लिए विभिन्न आयामों से अवगत कराया। सभी प्रशिक्षणार्थियों को श्री जितेंद्र तिवारी द्वारा जैविक कृषि प्रकल्प का भ्रमण कराया गया , जिससे प्रतिभागियों को व्यवहारिक एवं क्षेत्रीय अनुभव प्राप्त हुआ।इस अवसर पर हरदा जिला समन्वयक श्री संदीप गोहर , विकासखंड समन्वयक खिरकिया, विकासखंड समन्वयक केसला श्री विवेक मालवीय, नर्मदापुरम विकासखंड समन्वयक श्री नरेंद्र देशमुख, विकासखंड समन्वयक सिवनी मालवा श्री हरिदास दायमा एवं जिला कार्यालय से श्री दिनेश पंवार सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। ज्ञात हो दिनांक 6 मई से 13 मई तक नर्मदापुरम के 20 विकासखण्डो का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा हैं।

गंजबासौदा में 23 मई को नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के गंजबासौदा नगर में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार 23 मई को एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा विदिशा एवं जेके हास्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में उत्कृष्ट विद्यालय स्कूल, जय स्तंभ चौराहा, कोतवाली के सामने, गंजबासौदा में आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में पुष्प-गुच्छ भेंट कर सौजन्य मुलाकात की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू से उनके नई दिल्ली कार्यालय में सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मप्र में अमूल के बाद सांची दूध के भी दाम 2 रुपए बढ़े, आज से नई दरें हो जाएंगी लागू

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की जनता पर लगातार महंगाई की मार बढ़ती जा रही है। अमूल और मदर डेयरी के बाद अब एमपी में सांची दूध की कीमत भी बढ़े हैं। सांची दूध 15 मई से दो रुपए लीटर महंगा हो जाएगा। ऐसे में उपभोक्ताओं के घर का बजट बढ़ जाएगा। मई 2025 में भी सांची ने दूध के दाम बढ़ाए थे।

दरअसल, पिछले दिनों अमूल और मदर डेयरी ने भी दूध की कीमतों में इजाफा किया है। अब सांची ने दूध की कीमत बढ़ाने के निर्णय लिए हैं। फुल क्रीम गोल्ड दूध पहले 67 रुपए लीटर थे। अब वह 70 रुपए लीटर हो गया। वहीं, आधा लीटर अब 35 रुपए में मिलेगा। चाह दूध अब 62 रुपए लीटर मिलेगा। टोंड दूध आधा लीटर 29 में, स्टैंडर्ड दूध आधा लीटर 32 में और डबल टोंड दूध 27 रुपए में आधा लीटर मिलेगा।

मप्र में सबसे ज्यादा सांची दूध की होती बिक्री

मध्य प्रदेश में 15 मई सांची की नई दरें लागू हो जाएंगी। मध्य प्रदेश में सबसे अधिक सांची दूध की बिक्री होती है। इसके बाद अमूल का नंबर आता है। वहीं, मदर डेयरी की खपत शहरी हिस्सों में ज्यादा है। अमूल और मदर डेयरी ने पहले ही कीमतों में वृद्धि कर दी है। गौरतलब है कि भोपाल में पैक्ड से ज्यादा खुले दूध की बिक्री होती है। भोपाल शहर से सटे गांवों से लोग दूध लेकर आते हैं।

पेट्रोल बचाओ अपील के बाद देश में पहली कार्रवाई

किसान मोर्चा के नए अध्यक्ष ने वाहन रैली निकाली थी, नियुक्ति रद्द

ग्वालियर (नप्र)। भिंड के भाजपा नेता सज्जन सिंह यादव को 100 से अधिक लग्जरी वाहनों के साथ शहर में प्रवेश करना भारी पड़ गया। नियुक्ति के 18 दिन में ही भाजपा ने उन्हें भिंड जिला भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष पद से हटा दिया है। वे अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद बुधवार शाम को शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान शहर का ट्रैफिक बाधित हुआ तो हॉर्न बजाते और नारेबाजी के कारण शोर भी हुआ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने यह कार्रवाई की है। इस मामले में देश में यह पहली कार्रवाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छह दिन में दो बार ईंधन बचाने की अपील कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने अपने काफिले से वाहन कम कर दिए। देश के गृह मंत्री अमित शाह, अन्य विभागों के मंत्रियों, मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्रियों ने भी काफिले से वाहन कम कर दिए। इसके बाद भी सज्जन सिंह यादव अध्यक्ष बनने के बाद शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे।

पार्टी ने किया था जवाब तलब

मामला सामने आने के बाद भाजपा संगठन ने सज्जन सिंह यादव से चर्चा की। उनसे जवाब तलब किया तो सज्जन सिंह यादव ने पार्टी नेतृत्व को सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी कार्यकर्ता या समर्थक को वाहन लेकर आने के लिए नहीं कहा था। लोग स्वेच्छा से काफिले में शामिल हुए थे और यह पार्टी के प्रति उनका उत्साह व प्रेम था।

नियुक्ति रद्द होने के बाद अब कॉल रिसीव नहीं कर रहे

मीडिया ने जब इस संबंध में सज्जन सिंह यादव से संपर्क करने का प्रयास किया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया, वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया ने कहा कि मामले में सज्जन सिंह यादव से चर्चा की। उनका कहना था कि उन्होंने किसी को काफिले के लिए आमंत्रित नहीं किया था। लोग स्वयं शामिल हुए थे।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

मप्र की सड़कों से गायब हो रही लड़कियां, फिर इस हाल में मिलती हैं

भोपाल (नप्र)। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी 'क्राइम इन इंडिया 2024' की ताजा रिपोर्ट ने मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा के दावों की कलई खोलकर रख दी है। दिल दहला देने वाले सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश अब जबरन शादी के लिए की जाने वाली मानव तस्करी के मामले में देश का नंबर-1 राज्य बन गया है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि जहां एक तरफ पूरे देश में ऐसे संवेदनशील मामलों में गिरावट दर्ज की गई है, वहीं मध्य प्रदेश में हालात सुधरने के बजाय और ज्यादा बदतर हो गए हैं।

आंकड़ों की जुबानी, खौफ की कहानी- 6 मई को जारी की गई आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में देश भर में जबरन शादी के उद्देश्य से की गई मानव तस्करी के कुल 98 मामले दर्ज किए गए। बेहद चौंकाने वाली बात यह है कि इन 98 मामलों में से अकेले 21 मामले मध्य प्रदेश के थे। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि देश में होने वाली इस घिनौने अपराध की कुल हिस्सेदारी का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा अकेले इसी राज्य से आ रहा है। भारत के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 20 क्षेत्रों में यह अपराध सक्रिय रूप से पैर पसार चुका है, जिसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और नई दिल्ली जैसे बड़े राज्य भी शामिल हैं, लेकिन मध्य प्रदेश इन सबमें सबसे आगे निकल गया है।

सालों से बनी हुई है गंभीर स्थिति- मध्य प्रदेश के लिए यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई है, बल्कि पिछले दो सालों से राज्य इस सूची में दूसरे स्थान पर अपनी जगह बनाए हुए था। साल 2022 में मध्य प्रदेश 39 मामलों के साथ असम के बाद दूसरे नंबर पर था। इसके बाद साल 2023 में भी राज्य में कुल 21 मामले दर्ज किए गए थे और वह जम्मू-कश्मीर के बाद दूसरे नंबर पर था। लेकिन साल 2024 के आते-आते जहां देश के बाकी राज्यों ने अपने यहां इस अपराध पर लगाम कसी और राष्ट्रीय आंकड़ा 124 से घटकर 98 पर आ गया, वहीं मध्य प्रदेश अपनी पुरानी लकीर (21 मामले) पर ही टिका रहा और नंबर-1 के पायदान पर पहुंच गया। पूर्व पुलिस महानिदेशक, कानून व्यवस्था विशेषज्ञ के अनुसार तस्करी के इन मामलों का एक ही स्तर पर स्थिर रहना और राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाना पुलिसिंग, स्थानीय खुफिया तंत्र और सामाजिक सुरक्षा के स्तर पर बड़ी लापरवाही को उजागर करता है। ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में सूचना तंत्र को तुरंत मजबूत करने की जरूरत है ताकि इन लड़कियों को राज्य की सीमाओं से बाहर ले जाने से पहले ही रेस्क्यू किया जा सके।

क्यों नहीं सुधर रहे जमीनी हालात?

समाजशास्त्रियों और अपराध विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य प्रदेश के कुछ खास अंतर्राज्यीय रूट मानव तस्करों के लिए 'सॉफ्ट टारगेट' बने हुए हैं। अशिक्षा और गरीबी का फायदा उठाकर कम उम्र की लड़कियों को शादी और बेहतर जिंदगी का झांसा दिया जाता है और फिर उन्हें दूसरे राज्यों के बिचौलियों को बेच दिया जाता है। जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र ने जहां अपने मामलों को 29 से घटाकर 12 पर ला दिया, वहीं मध्य प्रदेश में प्रशासन की सुस्ती इस मोर्चे पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। यदि वक्त रहते इस गिरोह को नहीं तोड़ा गया, तो यह शांत प्रदेश बेटियों के लिए और भी असुरक्षित हो जाएगा।

पीएम मोदी की अपील पर ट्रेन से दमोह पहुंचे मंत्री परमार

बोले-देश के सम्मान की बात में सहयोग करें; पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर कर डीजल बचाएं

दमोह (नप्र)। दमोह जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार बुधवार रात राजरानी ट्रेन से दमोह पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर ट्रेन से यात्रा कर यहां आए हैं। आज गुरुवार को मंत्री एक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दमोह पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। सर्किट हाउस पर कलेक्टर और एसपी ने भी उनका अभिनंदन किया। मंत्री परमार गुरुवार को जिला जेल में अतिरिक्त बैरक का उद्घाटन करेंगे।

मंत्री ने पीएम के अपील में सहयोग का आग्रह किया- मीडिया से बातचीत में मंत्री परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के सम्मान को ध्यान में रखते हुए यह अपील की है। उन्होंने सभी से इस अपील में सहयोग करने का आग्रह किया। मंत्री परमार ने लाल बहादुर शास्त्री के समय का उदाहरण दिया, जब खाद्यान्न संकट के दौरान उन्होंने 'जय जवान जय किसान' का नारा देकर जनता से एक दिन का उपवास रखने का आह्वान किया था। उन्होंने वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण गैस, डीजल और पेट्रोल की कमी को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। प्रधानमंत्री ने उन लोगों को ध्यान में रखते हुए कई अपीलें की हैं, जो भारत को कमजोर करना चाहते हैं।

विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए पीएम ने किया आह्वान- इन अपीलों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत का पैसा डॉलर के रूप में विदेश न जाए। इसी क्रम में उन्होंने सोना खरीदने से बचने का आग्रह किया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि देश में व्यापारियों के पास उपलब्ध सोना खरीदने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, लेकिन विदेश से सोना आयात नहीं होना चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि हमारे देश में डीजल और पेट्रोल के कुएं नहीं हैं, और हम इन ईंधनों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर हैं। वहां से भी इनकी उपलब्धता में काफी कठिनाई आ रही है।

मंत्री बोले-सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना चाहिए- मंत्री इंदर सिंह परमार बोले- हम सभी को इस संकट से निपटना है इसलिए जितना आवश्यक हो उतना ही उपयोग करें। देश में आने वाले समय में जो परेशानियां आ सकती हैं उसे बचाने के लिए प्रधानमंत्री ने यह अपील की है।

सभी को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना चाहिए। मैं खुद भी सिर्फ दो गाड़ियों का उपयोग करता हूं और जब मुझे भोपाल से अपने विधानसभा क्षेत्र में जाना होता है तब मैं सिर्फ एक गाड़ी का उपयोग करता हूं।

देश का सम्मान न गिरे इसलिए प्रधानमंत्री ने सभी से आवाहन किया है और उनके इस आवाहन में हम सभी को मिलकर सहयोग करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने लिखी पीएम पर किताब-'अपनापन' का 26 को दिल्ली में होगा विमोचन

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और कार्यशैली पर आधारित पुस्तक 'अपनापन' लिखी है। इसकी जानकारी शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। पुस्तक का विमोचन 26 मई को दिल्ली में किया जाएगा।

शिवराज ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनके लिए 'अपनापन' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बिताए गए 33 वर्षों के अनुभवों को शब्दों में उतारने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि दुनिया मोदी को एक नेता के रूप में देखती है, लेकिन उन्होंने उनमें एक साधक, कर्मयोगी और असाधारण इंसान को करीब से देखा है।

अगली सुबह फिर देश सेवा में जुट जाते हैं- उन्होंने लिखा कि लोगों ने मोदी को मंचों से भाषण देते देखा है, लेकिन उन्होंने उस व्यक्ति को भी देखा है जो देर रात तक काम करने के बाद अगली सुबह उसी ऊर्जा के साथ देश सेवा में जुट जाता है। शिवराज के मुताबिक मोदी का हृदय गरीबों, किसानों, माताओं, बहनों, बेटियों और कार्यकर्ताओं के लिए धड़कता है।

1991 की एकता यात्रा का भी किया जिक्र- शिवराज सिंह चौहान ने अपने पोस्ट में 1991 की एकता यात्रा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय कई लोग इसे राजनीतिक यात्रा मान रहे थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने इसे राष्ट्रीय चेतना का अभियान बना दिया था। उनकी सोच थी कि तिरंगा केवल श्रीनगर के लाल चौक तक नहीं, बल्कि देश के हर युवा के दिल तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि उसी दौरान उन्हें पहली बार महसूस हुआ कि नेतृत्व केवल भाषण से नहीं, बल्कि तपस्या, अनुशासन, समर्पण और अपनेपन से आता है।

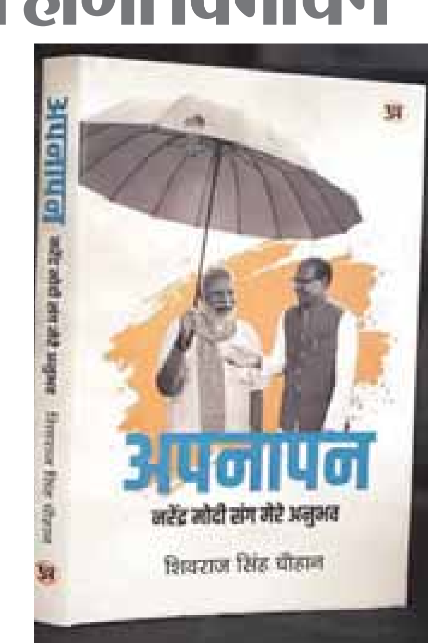

किताब में नेतृत्व और बदलाव की झलक- शिवराज ने कहा कि इस पुस्तक में केवल घटनाएं नहीं, बल्कि वह सोच भी मिलेगी जिसने देश को बदलने का साहस किया। उन्होंने दावा किया कि पुस्तक युवाओं, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को प्रेरित करेगी और बताएगी कि बड़े बदलाव सामूहिक प्रयास, अनुशासन और समर्पण से संभव होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पुस्तक पढ़ने के बाद लोगों को यह महसूस हो कि देश बदलने के लिए बड़े पद नहीं बल्कि बड़े संकल्प की जरूरत होती है, तो वे अपने प्रयास को सफल मानेंगे।

मंडप की रस्म के दिन दुल्हन की मौत

- **खरगोन में मिलावटी हल्दी लगाने से सूजा चेहरा, बारात वाले दिन उठी अर्थी**

खरगोन (नप्र)। खरगोन जिले के कसरावद क्षेत्र में हल्दी की रस्म के बाद गंभीर एलर्जी होने से 22 वर्षीय दुल्हन की मौत हो गई। बाजार से खरीदी गई खुली हल्दी लगाने से युवती का चेहरा सूज गया और गले में तेज जलन शुरू हो गई। हालत बिगड़ने पर उसे इंदौर रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जिस दिन घर में मंडप सजना था और बारात आनी थी, उसी दिन परिवार को बेटी का अंतिम संस्कार करना पड़ा।

मृतका राखी कसरावद के टेकड़ी निवासी गजुनाथ की तीन बेटियों में सबसे बड़ी थी। पिता ने बताया कि राखी की शादी खामखेड़ा गांव में तय हुई थी और 26 अप्रैल को बारात आनी थी। शादी से पहले 22 अप्रैल को हल्दी की रस्म हुई थी। परिजनों ने स्थानीय बाजार से खुले पैकेट में हल्दी और चिकसा मंगवाया था। यह हल्दी राखी सहित 15 अन्य महिलाओं को लगाई गई थी। उसी रात राखी की तबीयत बिगड़ने लगी। उसके गले में जलन शुरू हो गई, होंठ फूल गए और पूरे शरीर पर लाल चकत्ते पड़ गए।

इलाज के लिए इंदौर किया गया रेफर, रास्ते में तोड़ा दम- तबीयत बिगड़ने पर परिजन राखी को तुरंत खरगोन जिला अस्पताल के आईसीयू में लेकर पहुंचे। हालत में सुधार न होने पर अगले दिन उसे इंदौर के एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां एक्स-रे और ईसीजी सहित कई जांचें की गईं, लेकिन गले की तकलीफ और चेहरे की सूजन लगातार बढ़ती रही। एमवाय में फायदा न दिखने पर परिजन राखी को इंदौर के ही एक निजी अस्पताल ले गए। वहां इलाज का खर्च ज्यादा होने के कारण जब उसे वापस एमवाय अस्पताल लाया जा रहा था, तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। परिजनों ने पुलिस में शिकायत नहीं की, जिसके चलते बिना पोस्टमार्टम के गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

पर्ची में रिएक्शन का जिक्र, हल्दी में 'मेटानिल येलो' की आशंका- परिजनों के पास मौजूद एमवाय अस्पताल की मेडिकल पर्ची में डॉक्टरों ने 'हल्दी से रिएक्शन' होने का स्पष्ट उल्लेख किया है।

डॉ. अशोक व्यास की दो कृतियों का लोकार्पण

भोपाल। मध्यप्रदेश लेखक संघ के तत्वावधान में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अशोक व्यास की दो कृतियाँ कहानी संग्रह 'उम्र की सीमा होती है' एवं निबंध संग्रह 'स्वप्न भंग का अनवरत सिलसिला' का लोकार्पण होने जा रहा है । आज 15 मई को शाम 6 बजे दुष्यंत संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ कथाकार मुकेश वर्मा मुख्य अतिथि एवं साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश के निदेशक डॉ. विकास दवे सारस्वत अतिथि होंगे। लेखक संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी की अध्यक्षता में वरिष्ठ व्यंग्यकार श्री यशवंत गोरे एवं कथाकार शीला मिश्रा कृतियों की समीक्षा करेंगे ।